हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 10 सितंबर 2025 | अंक 326/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान हो ?

डायबेटीज चेकअप करके

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

नेपाल में तख्तापलट, अब सेना संभालेगी सत्ता: आर्मी चीफ

मंत्रियों के इस्तीफे के बाद हुआ ऐलान, पूरा नेपाल धुआं-धुआं

काठमांडू.

नेपाल में युवा विरोध प्रदर्शनों के बीच राजधानी काठमांडू में उग्र हिंसा भड़क उठी है। प्रदर्शनकारियों ने देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ चार पूर्व प्रधानमंत्रियों के घरों पर भी हमला कर उन्हें आग के हवाले करने के चलते नेपाल में चल रहे राजनीतिक और सामाजिक तनाव के बीच देश की सेना पहली बार खुल कर सामने आई है। नेपाल के सेनाध्यक्ष जनरल अशोकराज सिग्देल ने देशवासियों को संबोधित करते हुए शांति, एकता और लोकतंत्र को बचाने की अपील की है। उन्होंने आंदोलन स्थगित करने की अपील करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी बातचीत करने के लिए आएं। ध्यान रहे कि नेपाल में इस हिंसा का मुख्य कारण सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और युवाओं की नाराज़गी है। कई लोग मारे गए, हजारों घायल हुए, और राजनीतिक तंत्र पूरी तरह हिल गया है।

सेना का देशवासियों को संदेश : सेनाध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा,"हमारी सेना देश की अखंडता और स्थिरता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम किसी भी हाल में जनता के खिलाफ नहीं जाएंगे, लेकिन अगर देश की सुरक्षा और संविधान पर खतरा आता है, तो हम कर्तव्य निभाने से पीछे नहीं हटेंगे।"

सेना का रुख: लोकतंत्र के पक्ष में लेकिन सख्ती के लिए तैयार : उन्होंने यह भी साफ किया कि सेना लोकतंत्र और संविधान का सम्मान करती है, लेकिन अगर हालात काबू से बाहर हुए या कोई बाहरी या आतंरिक ताकत देश की शांति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती है, तो सेना जरूरी कदम उठाने में हिचकेगी नहीं।

बढ़ता जन आंदोलन और सेना की भूमिका : नेपाल में बीते कुछ महीनों से 'जेन ज़ेड' युवा आंदोलन के जरिए भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ जबरदस्त विरोध हो रहा है। कई जगहों पर हालात इतने बिगड़े कि पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। ऐसे माहौल में सेना की भूमिका को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं।

अंतरराष्ट्रीय नजरें भी नेपाल पर : नेपाल में मौजूदा हालात को लेकर भारत, चीन और अमेरिका जैसे पड़ोसी और बड़े देशों की भी नजर बनी हुई है। सेना के इस बयान से यह संकेत मिला है कि नेपाल में फौजी तख्तापलट की संभावना नहीं है, लेकिन यदि प्रदर्शन हिंसक रूप लेता है, तो स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए सेना एक्शन में आ सकती है।

नेपाल के मौजूदा संकट में एक बड़ा मोड़ : बहरहाल सेना का यह बयान नेपाल के मौजूदा संकट में एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है। यह साफ हो गया है कि सेना लोकतंत्र और शांति के साथ है, लेकिन देश की एकता के लिए सख्ती करने से भी पीछे नहीं हटेगी।

सेना राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी

सेना ने अब स्पष्ट किया है कि वह फिलहाल राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन देश के कानून और संविधान के अनुसार अगर जरूरत पड़ी तो कार्रवाई की जाएगी।

सेना की इस बात पर खास ध्यान

सेनाध्यक्ष ने खास तौर पर यह भी कहा कि,"सेना को राजनीति में घसीटना बंद किया जाए। हमारी प्राथमिकता राष्ट्रहित और राष्ट्रीय सुरक्षा है।" यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि कई राजनीतिक दल सेना को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे थे।

लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में भीषण हिमस्खलन

> तीन सैनिक शहीद, राहत-बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली.

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में एक आधार शिविर पर हिमस्खलन का मामला सामने आया है। इस घटना में तीन सैनिकों की जान चली गई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए। मामले में अधिक जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है। भारतीय सेना के फायर एंड फ्यूरी कोर ने बयान जारी करते हुए बताया कि भूस्खलन की इस घटना में सिपाही मोहित कुमार, अग्निवीर नीरज कुमार चौधरी और अग्निवीर डाभी राकेश देवभाई की जान चली गई है। इसमें आगे कहा कि तीनों जवानों ने 9 सितंबर को सियाचिन में ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।

अधिकारियों ने बचाव अभियान तेज़ कर दिया है और ग्लेशियर की कठोर परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया है। भारतीय सेना इस खतरनाक क्षेत्र में तैनात कर्मियों की बेहतर सुरक्षा के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा जारी रखे हुए है। खोज जारी रहने के साथ, राष्ट्र अपने उन बहादुर सैनिकों के निधन पर शोक मना रहा है जो दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण अग्रिम मोर्चों में से एक पर तैनात हैं।

इससे पहले 2021 में, सब-सेक्टर हनीफ में एक हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो सैनिक मारे गए। इस त्रासदी के बावजूद, छह घंटे के भीषण अभियान के बाद कई अन्य सैनिकों और पोर्टरों को बचा लिया गया।

यमुना विहार के पिज़्ज़ा हट में लगी आग

सिलेंडर में हुआ ब्लास्ट, 5 लोग घायल

नई दिल्ली.

दिल्ली के यमुना विहार इलाके में देर रात एक भीषण हादसा हो गया. पिज्जा हट के ग्राउंड फ्लोर पर बने इलेक्ट्रिक पैनल में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने भयानक रूप ले लिया और आसपास मौजूद गैस सिलेंडर और वाहन इसकी चपेट में आ गए.

इस हादसे में कुल पांच लोग झुलस गए, जिनमें तीन पिज्जा हट के कर्मचारी और दो राहगीर शामिल हैं. सभी घायलों को तत्काल जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत को खतरे से बाहर बताया है.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग रात करीब 8 बजे लगी. ठीक उसी स्थान पर, सड़क किनारे भानु नामक युवक की चाय की दुकान थी. उसने अपना सामान, जिसमें एलपीजी सिलेंडर भी शामिल था, पैनल के पास रखा हुआ था. आग की लपटें सिलेंडर तक पहुंचीं और उसमें जोरदार धमाका हुआ. इतना ही नहीं, घटनास्थल पर खड़ी एक स्कूटी भी आग की चपेट में आ गई और उसका पेट्रोल टैंक फट गया. इन दोहरे धमाकों ने मौके पर अफरातफरी मचा दी और आसपास खड़े लोग घायल हो गए. सूचना मिलते ही दिल्ली फायर विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. राहत की बात यह रही कि हादसे के समय इमारत की पहली और दूसरी मंजिल खाली थीं. पहली मंजिल पर एक ऑफिस और दूसरी मंजिल पर रिहायशी मकान है, वरना नुकसान और बड़ा हो सकता था.

फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है. हादसे के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग प्रशासन से व्यावसायिक इलाकों में सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने की मांग कर रहे हैं.

दिल्ली के पंजाबी बस्ती इलाके में 4 मंजिला इमारत ढही

> पास की बिल्डिंग से 14 लोगों को किया गया रेस्क्यू

नई दिल्ली.

राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी बस्ती में मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। दिल्ली फायर सर्विस को मंगलवार सुबह 2.52 बजे इस घटना की सूचना मिली। गनीमत रही कि हादसे के समय इमारत खाली थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है।

जानकारी सामने आई है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पहले ही इस इमारत को खतरनाक घोषित कर रखा था। हादसे के बाद पास की एक इमारत में फंसे 14 लोगों को दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने सुरक्षित निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली फायर सर्विस की 5 गाड़ियां मौके पर तैनात हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

इमारत के मलबे में कई वाहन दब गए हैं। दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटी हैं। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इमारत की जर्जर स्थिति इसके ढहने का प्रमुख कारण हो सकती है। प्रशासन ने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, और जांच जारी है। स्थानीय युवक ने बताया कि मकान मालिकों को दो महीने पहले ही बोला गया था कि बिल्डिंग को खाली कर दो, लेकिन इन लोगों ने बात नहीं मानी। रात को करीब 2.52 मिनट पर मैंने देखा कि बिल्डिंग हिल रही है। इसके बाद मैंने शोर मचाया और सभी को बताया कि बिल्डिंग गिरने वाली है। उसके बाद मैं खुद एक सेफ जगह पर जाकर खड़ा हुआ। एक महिला ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन की टीमों ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। इमारत की स्थिति को लेकर शिकायतें दी गई थीं। रात को यह बिल्डिंग गिर गई। इससे पहले, दिल्ली के यमुना विहार इलाके में स्थित एक पिज्जा हट आउटलेट में सोमवार रात एक विस्फोट हुआ, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली फायर सर्विस को रात में इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, विस्फोट पिज्जा हट के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एसी के कंप्रेसर में हुआ। स्थानीय थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए तफ्तीश जारी है।

ठाणे में बिल्डिंग ढहने से बड़ा हादसा

महिला की मौत, बहू गंभीर रूप से घायल

मुंबई.

महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार देर रात एक इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रही 62 वर्ष के महिला की मौत हो गयी तथा उसकी बहू गंभीर रूप से घायल हो गयी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. ठाणे महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि यह घटना मुंब्रा क्षेत्र के दौलत नगर स्थित लकी कंपाउंड में डी-विंग इमारत में देर रात 12 बजकर 36 मिनट पर हुई. इससे पहले, 2013 में भी लकी कंपाउंड में एक इमारत ढह गई थी, जिसमें 74 लोगों की मौत हो गई थी.

जानकारी के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि उनमें से एक महिला इल्मा जेहरा जमाली (26) को चोटें आईं, जबकि उसकी सास नाहिद जैनुद्दीन जमाली (62) को बिलाल अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया. उन्होंने बताया कि दोनों उसी इलाके के सना टावर में रहती थीं, स्थानीय लोग घायल महिला को कलसेकर अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज हो रहा है. उन्होंने बताया कि ताजा घटना में चार मंजिला इमारत के एक फ्लैट की दीवार का एक हिस्सा ढह गया और सड़क से गुजर रही दो महिलाओं पर गिर गया. यह चार मंजिला इमारत करीब 25 साल पहले बनायी गयी थी.

दिल्ली में यमुना का जलस्तर 204.96 मीटर दर्ज

नई दिल्ली. भारी बारिश के बाद देश की राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के बढ़ते स्तर ने कई लोगों को परेशानी में डाल दिया था. हथिनीकुंड बैराज से लगातार तेजी से पानी दिल्ली तक पहुंच रहा था. लेकिन अब दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर मंगलवार सुबह छह बजे 204.96 मीटर दर्ज किया गया और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही यह चेतावनी के निशान 204.50 मीटर से भी नीचे आ जाएगा. जलस्तर पिछले बृहस्पतिवार को 207.48 मीटर तक पहुंच गया था, जो इस मौसम का सबसे उच्चतम स्तर था. इसके बाद से जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. जैसे-जैसे यमुना का पानी कम हो रहा है, लोग अपने घरों से कीचड़ और गाद निकालने लगे हैं. इसके बाद पिछले मंगलवार को नदी खतरे के निशान को पार कर गई थी, जिसके कारण पुराने रेलवे पुल पर आवाजाही बंद कर दी गई थी. राष्ट्रीय राजधानी के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर और खतरे का निशान 205.33 मीटर है, जबकि जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया जाता है.

जम्मू-कश्मीर में आप विधायक की गिरफ्तारी का विरोध

जम्मू. जम्मू-कश्मीर के डोडा से आप विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने डोडा और जम्मू-कश्मीर के अन्य हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद जिले में पुलिस और सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। मलिक की रिहाई के समर्थन में नारे लगाते हुए उनके सैकड़ों समर्थकों ने भाट्यास गांव से मार्च निकाला और 'डोडा चलो' आंदोलन शुरू किया है। जिला मुख्यालय आ रहे प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के रोकने पर पत्थरबाजी की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे। इलाके में माहौल तनावपूर्ण होने पर बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। जिला प्रशासन ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू कर दी है। दरअसल, आप की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मलिक को 8 सितंबर को सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने के आरोप में पब्लिक सिक्योरिटी एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में उन्हें कठुआ जिला जेल में बंद कर दिया गया था। गांदोह, भलेसा, चिल्ली पिंगल, कहारा और ठाठरी तहसीलों के साथ डोडा जिला मुख्यालय में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की जीत

नई दिल्ली.

> एनडीए कैंडिडेट के पक्ष में 14 सांसदों ने की क्रॉसवोटिंग!

एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने भारत के उपराष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत हासिल की. उन्होंने कुल 452 वोट प्राप्त कर अपने प्रतिद्वंद्वी और इंडिया गठबंधन के बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले हैं. एनडीए लगभग दो-तिमाही से बहुमत हासिल की है. भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ओर से दावा किया गया कि 14 सांसदों ने क्रॉसवोटिंग की. उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी गठबंधन ने भी अच्छी चुनौती दी. लेकिन, उनकी संख्या एनडीए के मुकाबले कम रही.

इस चुनाव में जीत के लिए 392 वोटों की जरूरत थी, जिसे एनडीए उम्मीदवार ने आसानी से हासिल कर लिया. मंगलवार को हुए चुनाव में 767 सांसदों ने वोट डाले. इसमें से 15 वोट अमान्य रहे. इस चुनाव में

कुल 782 सांसदों को मतदान देने का अधिकार था.

विपक्षी दलों से मिले 14 वोट एनडीए के लिए बड़ी कामयाबी है. क्योंकि 15 वोट अमान्य हो गए और 14 वोट विपक्षी दलों से एनडीए को मिलने से विपक्ष को घाटा हो गया.

एनडीए के पास अपने सांसदों के आंकड़े के साथ-साथ कुछ क्रॉस वोटिंग का लाभ भी मिला. एनडीए की कुल संख्या 427 थी, इसमें वायएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों के जोड़ से 438 हो गए. इसके अलावा, 14 अतिरिक्त वोट क्रॉस वोटिंग के जरिए सीपी राधाकृष्णन के खाते में गए. यह चुनाव उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के जुलाई में स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद आयोजित किया गया. संसद परिसर के वसुंधा भवन में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान चला. संसद के दोनों सदनों के सांसद ने इस चुनाव में मतदान किया.

विपक्ष की रणनीति और एनडीए की तैयारी : विपक्ष ने अपनी एकजुटता दिखाने के लिए सुदर्शन रेड्डी को मैदान में उतारा, ताकि मतदान प्रक्रिया में संदेश जाए। लेकिन एनडीए ने अपनी रणनीति के तहत क्रॉस वोटिंग के जरिए विपक्ष के वोट बैंक में सेंध लगाई और 452 वोट हासिल किए. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर वोट करने की अपील की थी। यही कारण रहा कि कुछ क्रॉस वोटिंग हुई और एनडीए को फायदा मिला.

अमान्य वोट और सुधार की जरूरत : इस चुनाव में 15 वोट अमान्य पाए गए, यानी कुल वोटों का लगभग 2 फीसदी हिस्सा. यह बताता है कि सांसदों को मतदान प्रक्रिया में गलती करने या जानबूझकर इनवैलिड वोट देने की संभावना रही. विशेषज्ञों का कहना है कि आगे ऐसे चुनावों में सांसदों को सही तरीके से वोटिंग करने की लंबी ट्रेनिंग की आवश्यकता होगी ताकि इनवैलिड वोटों की संख्या कम हो.

पीएम मोदी ने पंजाब को ₹1600 करोड़ दिये

आप सरकार बोली- ये मजाक, जख्मों पर नमक छिड़का, हिमाचल को ₹1500 करोड़ मिलेंगे

शिमला.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये से अलग है। एसडीआरएफ और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया, जो 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए मोदी हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया और राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लिया। गुरदासपुर में, मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे।

बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए दिल्ली से हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।'' पंजाब में विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 51 हो गई है, जबकि 1.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य सरकार ने राज्य में आई बाढ़ के कारण 13,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के नुकसान का अनुमान लगाया है।

CMYK

बंद सड़कों का असर सेब कारोबार पर

> 5 हजार करोड़ का व्यापार संकट में

देहरादून.

हिमाचल में मानसून की आपदा से सेब के कारोबार पर संकट खड़ा हो गया है. प्रदेश में 4 नेशनल हाईवे समेत 600 से अधिक सड़कें लैंडस्लाइड से जगह-जगह बंद पड़ी हैं.

इससे सेब मंडियों तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है. बागवानों का हजारों पेटी सेब या तो गोदाम में खराब हो रहा है या फल मंडियों और पिकअप व ट्रकों में लोड हैं. हिमाचल में सेब की आर्थिकी 5 हजार करोड़ की है.

सेब प्रदेश से बाहर की मंडियों में तभी जा पाएगा, जब सड़कें बहाल होंगी. हालात ऐसे ही रहे तो ढाई हजार से तीन हजार करोड़ रुपये का सेब मंडियों तक पहुंचाना मुश्किल हो जाएगा. अकेले किन्नौर की टापरी मंडी में ही 15 हजार पेटी सेब ऑक्शन यार्ड और मंडी में खड़ी गाड़ियों में भरा हुआ है.

मंडी, कुल्लू और चंबा के अलग अलग क्षेत्रों में भी 55 हजार पेटी से ज्यादा सेब गोदाम व ट्रकों में भरा पड़ा है. कुल 3.50 लाख पेटी सेब मंडियों और ट्रकों में फंसा हुआ है. अकेले शिमला जिले में 20 से 25 लाख पेटी तैयार हैं. सेब का सीजन 25 अगस्त तक खत्म हो जाता था, लेकिन इस बार सितंबर के पहले हफ्ते में भी तुड़ान नहीं हो पाया है.

बता दें कि प्रदेश में इस बार बीते तीन वर्षों की अपेक्षा अधिक सेब उत्पादन का अनुमान था. तीन करोड़ से अधिक सेब की पेटियां बाजार में पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन मंडी, कुल्लू व शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में संपर्क सड़कों के बंद होने के कारण बागबानों को सेब को मंडियों तक पहुंचाने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

5 लाख पेटी सेब फंसे

हरीश चौहान ने आगे कहा कि इसमें सेब बागवान सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं. प्रदेश में लगभग 4 से 5 लाख पेटी सेब जगह-जगह सड़कों के बंद होने की वजह से फंसा हुआ है. नेशनल हाईवे भी ठप पड़े हैं और राज्य में करीब 1100 से अधिक सड़कें बंद हैं.

सोने ने तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

> कीमत 1.10 लाख के पार

नई दिल्ली.

फेस्टिव सीजन करीब आ रहा है और मंगलवार को सोने-चांदी के दामों में बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. जहां चांदी की कीमत में भी थोड़ी गिरावट देखने को मिली है. वहीं सोना आज वायदा बाजार में अपने रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है. 9 सितंबर को गोल्ड ने एमसीक्स पर 1.10 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम का स्तर पार कर लिया है.

बीते कुछ हफ्तों में सोने की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव आई है, इसका मुख्य कारण था अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, जिससे निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ गया. इसके साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध, मिडिल ईस्ट में तनाव और डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट ने भी सोने को महंगा कर दिया. माना जा रहा है और त्योहारों के सीजन में, खासकर दिवाली तक, सोने के दाम फिर चढ़ सकते हैं.

भारत में सोने और चांदी के रेट कई फैक्टर्स पर निर्भर करते हैं. सबसे पहला होता है अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतें. इसके अलावा डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट, आयात शुल्क, टैक्स, और लोकल डिमांड भी इनके दाम तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं. भारत में सोना न केवल गहनों के लिए बल्कि एक सुरक्षित निवेश के रूप में भी देखा जाता है. शादियों और त्योहारों में इसकी मांग सबसे ज्यादा होती है, जिससे सीजन के दौरान कीमतों में और उछाल आ जाता है. वहीं मांग घटने पर इनकी कीमतों में गिरावट भी देखी जाती है.

चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट : सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी पिछले दिनों तेजी देखने को मिली है. सोमवार को जहां चांदी का भाव 1,27,000 रुपए प्रति किलो था, वहीं आज यह 1,26,900 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है. यानी एक दिन में 300 रुपए की गिरावट दर्ज हुई है.

जॉन्टी रोड्स बने कैशबैक कैच एक्सपर्ट

> सुपर मनी की नई डिजिटल फिल्म लॉन्च

बेंगलुरु.

फ्लिपकार्ट द्वारा संचालित अग्रणी यूपीआई प्लेटफॉर्म सुपर. मनी ने लीजेंडरी क्रिकेटर जॉन्टी रोड्स के साथ नई डिजिटल विज्ञापन फिल्म लॉन्च की है। कंपनी ने जॉन्टी रोड्स को अपना 'कैशबैक कैचर' बनाया है। अपने तेज रिफ्लेक्स, फुर्ती और मैदान पर शानदार प्रदर्शन के लिए मशहूर जॉन्टी रोड्स को एक ऐसे चतुर खरीदार व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है, जो फुर्तीला, सतर्क और दिखावे से दूर है।

क्या होता है जब दुनिया का सबसे महान फील्डर क्रिकेट बॉल के बजाय कैशबैक का पीछा करना शुरू कर देता है? अपनी नवीनतम डिजिटल फिल्म में सुपर. मनी ने जॉन्टी रोड्स को मैदान से बाहर रोजाना की जिंदगी में दिखाया है, जहां वह अपनी ट्रेडमार्क वाली फुर्ती के साथ कैशबैक के लिए डाइव लगाते नजर आते हैं। इस विज्ञापन फिल्म के

पीछे यह सोच है कि आज का ग्राहक हर ट्रांजैक्शन के साथ रिवार्ड की उम्मीद करता है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक भारत के 95 प्रतिशत डिजिटल उपभोक्ता कैशबैक ऑफर्स को बहुत आकर्षक मानते हैं। जिस तरह से जॉन्टी मैदान में हर गेंद के लिए डाइव लगाते हैं, ऐसे ही आज का ग्राहक भी लगातार एक से दूसरे विकल्प आजमाता है, ताकि हर स्वाइप, टैप या स्कैन पर बेस्ट वैल्यू मिल सके। बात चाहे ग्रॉसरी खरीदने या फ्लाइट बुक करने की हो, वे ऐसे रिवार्ड चाहते हैं, जो इंस्टैंट हो, रियल हो और भरोसेमंद हो। सुपर. मनी के साथ यह दौड़ खत्म हो जाती है, क्योंकि इसके साथ हर खर्च आपके लिए जीत का मौका होती है, हर पल आपको कुछ पाने का अवसर मिलता है। जैसे जॉन्टी अपने पास से कभी कोई बॉल नहीं जाने देते, उसी तरह से यूजर का खर्च किया हुए एक भी पैसा बिना रिवार्ड का नहीं रहेगा। फिल्म में बहुत खूबसूरती से मैदान पर जॉन्टी की सक्रियता को कैशबैक को लेकर आज के उपभोक्ताओं की दौड़ से जोड़ा गया है और उनकी यह दौड़ पूरी होती है सुपर. मनी के यूपीआई लिंक्ड को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स के साथ, जिन्हें विभिन्न अग्रणी बैंकों के साथ मिलकर जारी किया जाता है। इनके माध्यम से हर ट्रांजैक्शन पर 3 प्रतिशत तक का कैशबैक मिलता है। यह छोटे या बड़े, सभी ट्रांजैक्शन पर इंस्टैंट रिवार्ड पाने का अनूठा रोमांच देता है। इस फिल्म का लक्ष्य अग्रणी बैंकों के साथ मिलकर जारी किए जाने वाले सुपर. मनी के को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स के बारे में जागरूकता लाना और पारदर्शी मूल्य के इनके वादे को सबके सामने लाना है। इस विज्ञापन फिल्म को अब सभी डिजिटल एवं सोशल प्लेटफॉर्म्स पर खेल जगत (क्रिकेट) के लोगों के साथ मिलकर जारी किया गया है, जिससे इनकी पहुंच ज्यादा से ज्यादा लोगों तक हो।

81% खरीदारों के लिए घर खरीदना चुनौती

नई दिल्ली.

भारत में घर से दूर रहकर कमाने वाला हर शख्स अपना खुद का घर खरीदने की चाह रखता है. लेकिन, इन दिनों 81 फीसदी घर खरीदने वालों के लिए सबसे बड़ी चिंता घरों की बढ़ती कीमत है. क्योंकि पिछले दो वर्षों में औसत आवासीय कीमतों में 50% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है. एनारॉक कंज्यूमर सेंटीमेंट सर्वे फॉर एच1 2025 के अनुसार देश के शीर्ष 7 शहरों में औसत आवासीय कीमतें 2023 की दूसरी तिमाही में 6,001 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 की दूसरी तिमाही तक 8,990 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई हैं. सर्वे के अनुसार, किफायती आवास के 62% इच्छुक खरीदार मार्केट में अभी के मौजूदा विकल्पों से खुश नहीं हैं, जबकि 92% परियोजना

के लोकेशन से नाखुश हैं. 90% का कहना है कि इन प्रोजेक्ट के बनाने की क्वालिटी खराब है और इनका डिजाइन भी ठीक नहीं है. साथ ही 77% लोगों को लगता है कि इन घरों की साइज जरूरत के हिसाब से बहुत छोटी है. एनारॉक समूह के अध्यक्ष अनुज पुरी ने कहा कि शहर-वार रुझान बताते हैं कि विभिन्न शहरों में आवासीय संपत्ति चाहने वाले अपने-अपने शहरों में बढ़ती कीमतों को लेकर बेहद चिंतित हैं.एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, 2020 की इसी अवधि में यह 40% से घटकर 2025 की पहली छमाही में केवल 17% रह गया है. साथ ही, शीर्ष 7 शहरों में किफायती आवास की नई सप्लाई पिछले दो वर्षों में तेजी से घटी है. 2023 की पहली छमाही में 18% से घटकर 2025 की पहली छमाही में केवल 12% रह गई है. 2019 में कुल नए लॉन्च में इसकी सप्लाई हिस्सेदारी 40% थी. सर्वे के अनुसार 36% से अधिक संभावित घर खरीदारों के लिए 90 लाख रुपये से 1.5 करोड़ रुपये तक की कीमत 'सबसे पसंदीदा' विकल्प बनकर उभरी है.

वैश्विक अनिश्चितता के बीच संभला रुपया

नई दिल्ली.

भारतीय रुपये पिछले कुछ दिनों में काफी कमजोर हुआ है. पिछले हफ्ते इसमें ऐतिहासिक गिरावट देखने को मिली. हालांकि, उसके बाद भारतीय करेंसी ने खुद को संभाला है. मंगलवार को शुरुआती कारोबार के दौरान रुपये घरेलू बाजार में 25 पैसे की मजबूती के साथ ऊपर उठा और कमजोर हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.01 के स्तर पर पहुंच गया. इस साल अब तक भारतीय करेंसी में 2.76 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है. इसके बाद यह एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी में शामिल है. रुपये पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को 88.27 के स्तर पर खुला था. लेकिन बाजार के जानकारों को उम्मीद थी कि मंगलवार को रुपये में मजबूती बनी रहेगी.

अदानी और डुक ग्रीन की बड़ी जलविद्युत योजना

> भूटान में 570 मेगावाट का प्रोजेक्ट

नई दिल्ली.

भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी, अदानी पावर और भूटान की सरकारी बिजली उत्पादक कंपनी, डुक ग्रीन पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) ने मिलकर 570 मेगावाट के वांगचू जलविद्युत परियोजना के लिए शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट (एसएचए) पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही, पावर पर्चेस एग्रीमेंट (पीपीए) पर भी सैद्धांतिक सहमति बनी और रॉयल गवर्नमेंट

ऑफ भूटान के साथ कन्सेशन एग्रीमेंट (सीए) भी हस्ताक्षर हुए।

इन समझौतों पर हस्ताक्षर भूटान के माननीय प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी की उपस्थिति में हुए। इसके साथ ही, अदानी पावर और डीजीपीसी को 570 मेगावाट की वांगचू जलविद्युत परियोजना को बूट (बिल्ड, ओन, ऑपरेट, ट्रांसफर) मॉडल पर कार्यान्वयन शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वांगचू परियोजना में लगभग 60 अरब रुपए का निवेश किया जाएगा, जिसके तहत नवीकरणीय ऊर्जा आधारित पावर प्लांट और उससे जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और निर्माण कार्य 2026 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। शिलान्यास के पाँच वर्षों के भीतर इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

वांगचू प्रोजेक्ट से सर्दियों में बिजली संकट होगा दूर

अदानी पावर के सीईओ श्री एस.बी. ख्यालिया ने कहा, भूटान सतत विकास में दुनिया के लिए एक मिसाल है और हमें खुशी है कि हम इस नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के जरिए देश के प्राकृतिक संसाधनों के विकास में अहम् भूमिका निभा रहे हैं। वांगचू जलविद्युत परियोजना भूटान की सर्दियों के दौरान बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करेगी, जब हाइड्रो पॉवर उत्पादन कम होता है। वहीं, गर्मियों के महीनों में यह बिजली भारत को निर्यात की जाएगी।

एचडीएफसी का 'फेस्टिव ट्रीट्स 2025' लॉन्च

मुंबई.

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने वार्षिक 'फेस्टिव 2025' अभियान की शुरुआत की घोषणा की है, जो देश में शॉपिंग मुख्य विशेषताका आधार तैयार करता है. अखिल भारतीय बोनान्ज़ा कार्ड, लोन, पेजैप और ईज़ीईएमआई पर 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र लेकर आर जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी ज़्यादा किफ़ायती और बैंक के पास एक्सप्रेस पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, टू-व्हीलर लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, एग्री लोन, कमर्शियल व्हीकल्स, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सेविंग अकाउंट, पेजैप, सिक्योरिटीज पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई उत्पादों पर कई ऑफर हैं। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईजीईएमआई ऑन कादर्स के जरिए की फ़ायापूर्वी बालूत है। राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अति स्थानीय भागीदारों के बीच 10,000 से ज़्याव चुनिंदा सौदे व्यापक वित्तीय समाधानः एचडीएफसी बैंक का के माध्यम से किफायती ऋण तक पहुँच; अन् सुविधाओं के साथ साथ व्यक्तिगत, कान दोपहिया, व्यावसायिक ऋण ईज़ीईएमआई पेजैप आदि। -एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग,पराग ने कहा, 'जैसे-जैसे देश त्योहारों की खुशियों में डूब रहा है, हम अपने उपभोक्ताओं के लिए ढेरों ऑफर लेकर आ रहे हैं जो उन्हें वास्तविक मूल्य प्रदान करते हैं और उन्हें हमारे काड्र्स, लोन्स, पेजैप और ईज़ीईएमआई की सुविधा के माध्यम से स्मार्ट तरीके से खर्च करते हुए जश्न मनाने में सक्षम बनाते हैं। फेस्टिव ट्रीट्स हमारी वार्षिक पेशकश है जो हमारे ग्राहकों को त्योहारों पर अपनी बचत को अधिकतम करने के अवसर प्रदान करके मांग को बढ़ाती है और देश के उपभोग पैटर्न का समर्थन करती है।। ओणम से दिवाली तक हाइपरलोकल एक्टिवेशन के साथ फेस्टिव ट्रीट्स को चरणों में पेश करके, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ये ऑफर न केवल आकर्षक हों, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए भी प्रासंगिक हों।

सैमसंग ने लॉन्च की गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़

गुरुग्राम.

सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज् यूमर इलेक् ट्रॉनिक् स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 अल् ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 को लॉन्च किया है। ये दोनों टैबलेट अब तक का सबसे इंटेलीजेंट और एडवांस्ड टैबलेट अनुभव देते हैं।

गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ में नया डिज़ाइन किया गया एन पेन है, जो काम और रचनात्मकता दोनों के लिए बनाया गया है। इसका नया कोन के आकार का टिप बेहतर नियंत्रण के लिए ज्यादा टिल् ट एंगल देता है, और हेक्सागोनल डिज़ाइन आरामदायक व स्थिर पकड़ प्रदान करता है। क्विक टूल्स से ड्रॉइंग या एडिटिंग के दौरान आसानी से बदलाव किए जा सकते हैं, और स्टिकी नोट की मदद से सैमसंग नोट्स पर अचानक आने वाले आइडिया या टू-डू तुरंत लिखे जा सकते हैं- अब डॉक् यूमेंट देखते समय ऐप बदलने की जरूरत नहीं। उन्नत सैमसंग डेक्स गैलेक्सी एआई के अलावा, गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ पर उन्नत सैमसंग डेक्स यूजर्स को ऐप्स के बीच मल्टीटास्किंग, मीटिंग के दौरान नोट्स लेने या आइडियाज़ को मैप करने में अपनी उत्पादकता को अधिकतम करने की शक्ति देता है।

चाहे आप एक डिज़ाइनर हों जो दृश्य अवधारणाएँ बना रहे हों या बार-बार यात्रा करने वाले व्यक्ति हों जो ऐप्स और डिस्प्ले के बीच यात्रा की योजना बना रहे हों, गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ शोध, स्केचिंग से लेकर पॉलिश्ड परिणाम साझा करने तक हर कदम पर समर्थन देता है। नवीनतम सैमसंग डेक्स अपग्रेड अगले स्तर की उत्पादकता को अनलॉक करते हैं, जिसमें एक्सटेंडेड मोड शामिल है, जो गैलेक्सी टैब एस11 और एक बाहरी मॉनिटर को एक सहज डुअल-स्क्रीन सेटअप में बदल देता है। यह दोनों स्क्रीन पर एक साथ सैमसंग डेक्स चलाता है, जिससे अधिक सहज मल्टीटास्किंग और अधिक लचीलापन मिलता है. अब उपयोगकर्ता डिस्प्ले के बीच ऐप्स को ड्रैग एंड ड्रॉप कर सकते हैं या एक स्क्रीन पर दस्तावेज़ देखते हुए दूसरी पर प्रेजेंटेशन दे सकते हैं। सैमसंग डेक्स में नया यह है कि उपयोगकर्ता अब विभिन्न ज़रूरतों के लिए चार अलग-अलग, अनुकूलित वर्कस्पेस बना सकते हैं।

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर हलचल तेज

> मराठा आंदोलन के बाद अन्य समाजों ने भी उठाई आवाज

मुंबई.

महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर एक बार फिर सामाजिक और राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मराठा समाज को आरक्षण देने के बाद अब अन्य समाजों ने भी अपनी-अपनी मांगों को लेकर आंदोलन और ज्ञापन देने की शुरुआत कर दी है। धनगर, बंजारा, एसटी, एनटी, और ओबीसी समाज ने आरक्षण को लेकर सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

बंजारा समाज की एसटी में शामिल करने की मांग : सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद गैजेटियर में बंजारा समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल बताया गया है। इसी आधार पर हाल ही में मुंबई में आयोजित सर्वदलीय बैठक में बंजारा समाज के नेताओं ने एसटी प्रवर्ग से आरक्षण की पुरजोर मांग रखी। इस बैठक में मंत्री संजय राठौड़ सहित कई विधायक उपस्थित रहे।

समाज की ओर से जल्द ही राज्य सरकार को मांगपत्र और रिपोर्ट सौंपे जाने की संभावना है। इस मांग के साथ समाज ने यह स्पष्ट किया कि बंजारा समुदाय को लंबे समय से सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें भी समान अवसर मिलना चाहिए।

धनगर समाज की चेतावनी: 'आरक्षण नहीं तो अनशन' : जालना जिले में धनगर समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी आशिमा मित्तल के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में एसटी कोटे से आरक्षण की त्वरित अमलवारी की मांग की गई है।

धनगर समाज ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो वे जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर अनशन पर बैठेंगे। धनगर समाज का यह आंदोलन सरकार के लिए आगामी समय में राजनीतिक चुनौती बन सकता है।

ओबीसी समाज हुआ आक्रामक, मराठा आरक्षण पर जताई आपत्ति : मराठा समाज को आरक्षण दिए जाने के बाद अब ओबीसी समाज भी सक्रिय और आक्रामक रुख अपनाता दिख रहा है। धाराशिव में आयोजित एक बैठक में मराठा क्रांती मोर्चा ने स्पष्ट रूप से कहा कि मराठा समाज को 'कुणबी-मराठा' के नाम पर आरक्षण न दिया जाए। राज्य समन्वयक सुनील नागणे ने आरोप लगाया कि कुछ तत्व मराठा समाज को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा: 'जिनके दस्तावेजों में कुणबी जाति दर्ज है, उन्हें आरक्षण दिया जा सकता है। लेकिन जिनकी जाति प्रविष्टि केवल 'मराठा' है, उन्हें इसमें शामिल करना सरसकट और टिकाऊ नहीं होगा।' ओबीसी नेताओं का कहना है कि यदि मराठा समाज को ओबीसी कोटे से आरक्षण दिया गया, तो यह अन्य पिछड़ा वर्गों के साथ अन्याय होगा।

राजनीतिक दबाव में सरकार, हर मोर्चे पर बढ़ी चुनौती : मराठा समाज की मांगें मानने के बाद अब सरकार राजनीतिक और सामाजिक दबाव में है। एक ओर जहां अन्य समाजों ने भी आरक्षण की मांगें तेज कर दी हैं, वहीं ओबीसी और मराठा समाज के बीच बढ़ती टकराहट राज्य सरकार के लिए असंतुलन की स्थिति पैदा कर सकती है।

सामाजिक न्याय या राजनीतिक संतुलन? : महाराष्ट्र में आरक्षण की बहस अब केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह एक राजनीतिक संतुलन की चुनौती बन चुकी है। आने वाले समय में सरकार को इन मांगों को लेकर नीतिगत निर्णय लेना होगा, जो सभी वर्गों के हितों को संतुलित कर सके।

जनसुरक्षा कानून के विरोध में शिवसेना (यूबीटी) का राज्यव्यापी आंदोलन

> आज शिवाजी पार्क में प्रदर्शन

मुंबई.

महाराष्ट्र में जनसुरक्षा कानून के विरोध में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) आज बुधवार से राज्यव्यापी आंदोलन की शुरुआत कर रही है।

पार्टी की मांग है कि इस विवादित कानून को तत्काल रद्द किया जाए। आंदोलन की शुरुआत मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा के पास प्रदर्शन से होगी। इस प्रदर्शन में शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता जैसे उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, सचिन अहीर, भास्कर जाधव, और सुनील प्रभु समेत तमाम प्रमुख नेता शामिल होंगे।

जिला स्तर पर भी होगा प्रदर्शन : शिवसेना (यूबीटी) ने घोषणा की है कि यह विरोध सिर्फ मुंबई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे राज्य के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से फैलाया जाएगा।

पार्टी का कहना है कि जनसुरक्षा कानून को लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताया जा रहा है। पार्टी नेताओं का दावा है कि यह कानून राजनीतिक विरोधियों, छात्र संगठनों, किसान आंदोलनों और नागरिक अधिकार समूहों को दमन करने के लिए हथियार बन सकता है।

क्या है जनसुरक्षा कानून? : जनसुरक्षा कानून को हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा में पारित किया गया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि: 'यह कानून नक्सलवाद और शहरी माओवाद से निपटने के लिए जरूरी है। गढ़चिरोली और कोकण जैसे क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद राज्य की कानून व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन रहा है।' सीएम के अनुसार, इस कानून के जरिए कट्टरपंथी विचारधारा और संगठित उग्रवाद पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

शिवसेना (यूबीटी) का विरोध: 'लोकतंत्र के लिए खतरा' : वहीं दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि: "इस कानून में 'शहरी नक्सल', 'उग्रवादी विचारधारा' और 'लेफ्ट विचारधारा' जैसे अस्पष्ट शब्दों का इस्तेमाल करके सरकार विरोध के हर स्वर को दबाना चाहती है।"

पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया है कि इस कानून में नक्सलवाद या आतंकवाद जैसे शब्दों का सीधा उल्लेख तक नहीं है, बल्कि इसका मकसद राजनीतिक असहमति को अपराध की श्रेणी में लाना है।

राजनीतिक रंग लेता मुद्दा : राज्य में जन सुरक्षा कानून को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव तेज हो गया है। जहां सरकार इसे सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए जरूरी कदम बता रही है, वहीं विपक्ष इसे लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला मान रहा है।

आज से शुरू हो रहा यह आंदोलन आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति और कानून व्यवस्था दोनों के लिए अहम परीक्षा बन सकता है।

क्या राज ठाकरे होंगे एमवीए का हिस्सा?

> ठाकरे बंधुओं की बढ़ती नज़दीकियों के बीच कांग्रेस ने उठाए सवाल

मुंबई.

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर नई करवट लेती नजर आ रही है। लंबे समय तक राजनीतिक और व्यक्तिगत दूरी बनाए रखने के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच रिश्तों में सुधार आया है। इसी के बाद अब चर्चा तेज हो गई है कि क्या राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) को भी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) में शामिल किया जा सकता है। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए यह संभावित गठबंधन राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव ला सकता है।

मातोश्री पर हुई कांग्रेस-शिवसेना (यूबीटी) की अहम बैठक : सोमवार को कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार, बालासाहब थोराट, और अमीन पटेल ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से उनके निवास 'मातोश्री' पर मुलाकात की।

इस बैठक में तीन प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई: मनसे को एमवीए में शामिल करने का प्रस्ताव, विधान परिषद में विपक्ष के नेता की नियुक्ति, आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव की रणनीति, कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि मनसे को गठबंधन में शामिल करने से पहले पार्टी को दिल्ली हाईकमान से सलाह-मशविरा करना होगा।

क्या मनसे की होगी महाविकास आघाड़ी में एंट्री? : महाविकास आघाड़ी में फिलहाल शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) शामिल हैं।

राज ठाकरे की मनसे को शामिल करने को लेकर गठबंधन में भीतर खाने मतभेद भी उभर सकते हैं।

कांग्रेस के कुछ नेताओं ने संकेत दिया है कि राज ठाकरे के अतीत के बयानों और राजनीतिक रुख को देखते हुए निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया जा सकता। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक हलकों में इस चर्चा को और हवा दी है कि दोनों भाई भविष्य की रणनीति पर साथ काम करने को तैयार हैं।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता को लेकर हलचल तेज : बैठक में विधान परिषद में विपक्ष के नेता (लीडर ऑफ़ ओप्पोसिशन -एलओपी) की नियुक्ति पर भी गंभीर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस वरिष्ठ विधायक सतेज पाटिल का नाम आगे बढ़ाने जा रही है। यह पद तब से खाली पड़ा है जब शिवसेना (यूबीटी) के अंबादास दानवे का कार्यकाल समाप्त हो गया था।

विजय वडेट्टीवार ने बयान दिया: "विधान परिषद ही नहीं, विधानसभा में भी एलओपी का पद खाली है।

हम इस मुद्दे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे।"

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) ने विधानसभा के लिए भास्कर जाधव का नाम प्रस्तावित किया है, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अब तक इसे स्वीकार नहीं किया है।

मुंबई नौसेना आवासीय परिसर से राइफल और गोला-बारूद चोरी

> सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मुंबई.

मुंबई के अत्यंत संवेदनशील नौसेना आवासीय परिसर से एक राइफल और गोला-बारूद के चोरी हो जाने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। यह घटना 6 सितंबर की रात की है, जब एक जूनियर नौसैनिक संतरी ड्यूटी पर तैनात था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संतरी ड्यूटी पर तैनात नौसैनिक के पास एक व्यक्ति आया, जो भारतीय नौसेना की वर्दी में था। उसने खुद को अधिकृत कर्मचारी बताते हुए कहा कि उसे ड्यूटी से मुक्त कर दिया गया है और वह अब उसकी जगह ड्यूटी संभालेगा। भरोसा करते हुए, संतरी ने अपनी ड्यूटी छोड़ दी। कुछ समय बाद जब संतरी को संदेह हुआ, तब तक वह व्यक्ति राइफल और गोला-बारूद के साथ गायब हो चुका था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह व्यक्ति वास्तव में कोई नौसेना कर्मी नहीं था, बल्कि उसने वर्दी का दुरुपयोग कर सुरक्षा में सेंध लगाई।

नौसेना और पुलिस का संयुक्त तलाशी अभियान जारी : घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय नौसेना और मुंबई पुलिस ने एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। परिसर और उसके आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि संदिग्ध की पहचान की जा सके।

बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी गठित, हर एंगल से हो रही जांच : नौसेना ने इस गंभीर घटना की जांच के लिए एक बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया है, जो मामले की गहराई से जांच करेगा। साथ ही, कफ परेड पुलिस स्टेशन में इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह घटना सिर्फ सुरक्षा में चूक थी या इसके पीछे कोई सुनियोजित साजिश है।

सरकारी एजेंसियां भी सक्रिय, अलर्ट पर सभी सुरक्षा एजेंसियां : घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए, केंद्र और राज्य की खुफिया एजेंसियां भी जांच में जुट गई हैं।

नौसेना की ओर से उन्हें पूरा सहयोग दिया जा रहा है। मुंबई पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ा दी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके।

बड़ी लापरवाही या गहरी साजिश? : देश की सुरक्षा से जुड़े एक अत्यंत सुरक्षित परिसर में इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है।

मध्य रेल
नागपुर शाखा
एनएफआर अनुबंध के हेतु ई-निलामी आमंत्रण की सूचना
विज्ञापन: Catalogue No: **NGP-MXD-25-19**
(1) नागपुर मंडल, मध्य रेलवे से प्रस्थान करने वाली आरक्षित कोचों के लिनेन कवर के सामने वाले हिस्से पर 3 वर्षों की अवधि के लिए विज्ञापन अधिकार। **Start 30.09.25 15:00:00 Hrs / End 30.09.25 15:30:00 hrs.** (2) गणेश टेकड़ी की ओर मुख किए गेंट्री (एस–11, आकार 40x10) पर होर्डिंग मीडिया के माध्यम से 6 माह की अवधि के लिए विज्ञापन अधिकार। **Start 30.09.25 15:00:00 Hrs / End 30.09.25 15:40:00 hrs.** (3) वांजारी नगर फ्लाईओवर के मध्य में, तुकडोजी पुतला चौंक की ओर मुख किए होर्डिंग मीडिया के माध्यम से 5 वर्षो की अवधि के लिए विज्ञापन अधिकार। (साइट N–01 – 30x20 = 600 वर्ग फुट) **Start 30.09.25 15:00:00 Hrs / End 30.09.25 15:50:00 hrs.** (4) वांजारी नगर टी–पॉइंट पर, तुकडोजी पुतला चौक की ओर मुख किए होर्डिंग मीडिया के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए विज्ञापन अधिकार। (साइट संख्या S–26 – 400 वर्ग फुट = 20x20) **Start 30.09.25 15:00:00 Hrs / End 30.09.25 16:00:00 hrs.** विस्तृत जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **ACM(TC) Nagpur** 16
असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6138 Dt. 29/08/25
IN THE COURT OF 3rd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 516
M.J.C. Case No. 667/2025
Fixed For 18/09/2025
Applicant : 1) Ashok Rambhau Bokare, 2) Sudhakar Rambhau Bokare Died Through Its Lrs, 3) Kusum Sudhakar Bokare, 4) Mahendra Sudhakar Bokare.
--Versus-- Non-Applicants: Nil
Name of Deceased : 1) Rambhau Bajirao Bokare, Died On: 06/11/1964, 2) Sudhakar Rambhau Bokare, Died On: 15/03/2024, Both R/o Plot No. 15, Near Jumde Shivan Class Gopal Nagar, 2nd Bus Stop Nagpur
Whereas **1) Rambhau Bajirao Bokare, Died On: 06/11/1964, 2) Sudhakar Rambhau Bokare, Died On: 15/03/2024,** Both R/o Plot No. 15, Near Jumde Shivan Class Gopal Nagar, 2nd Bus Stop Nagpur and Whereas **Ashok Rambhau Bokare & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Ashok Rambhau Bokare & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **3rd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **18th Day of Sept., 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, that **28th day of August, 2025.**
Seal — **By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.**
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6192 Dt. 02/09/25
IN THE COURT OF JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 416-A
M.J.C. Case No. 613/2025
Fixed For 07/10/2025
Applicant : 1) Kusum Ramchandra Kolhe, 2) Pranali Ramchandra Kolhe
--Versus-- Non-Applicants: Nil
Name of Deceased : 1) Ramchandra Pandurangji Kolhe, Died On: 16/11/2023, R/o Near Bank Colony, Plot No. 151, Old Subhedar Layout NIT Ayodhya Nagar, 440024
Whereas **Ramchandra Pandurangji Kolhe, Died On: 16/11/2023,** R/o Near Bank Colony, Plot No. 151, Old Subhedar Layout NIT Ayodhya Nagar, 440024 and Whereas **Kusum Ramchandra Kolhe & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Kusum Ramchandra Kolhe & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **7th Day of October, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, that **2nd day of Sept., 2025.**
Seal — **By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.**
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 5724 Date 08.08.25
IN THE COURT OF 3rd Jt. CIVIL JUDGE JR. DN., NAGPUR. Room No. 516
Succession Case No. 181/2025
Fixed For 12/09/2025
Applicants : 1) Rajesh Dattatray Rekhade --Versus--
Non-Applicants: Nil
Name of Deceased: 1) Sindhu Wd/o Dattatray Rekhade, Died On: 29/03/2024, R/o Plot No. 607, Riddhi Siddhi Apartment, Hindustan Colony, Amravati Road, Nagpur
Whereas **Sindhu Wd/o Dattatray Rekhade, Died On: 29/03/2024,** R/o Plot No. 607, Riddhi Siddhi Apartment, Hindustan Colony, Amravati Road, Nagpur and Whereas **Rajesh Dattatray Rekhade** has presented an application to this court for grant of Succession Certificate U/s. 372 of Indian Succession Act, **In respect of the Central Bank of India Saving A/c No. 1845807119 Amount of Rs. 34,200/- & Central Bank of India TDR A/c No. 7845823172 Amount of Rs. 73852/- standing** in the name of the deceased & left by the deceased.
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicant **Rajesh Dattatray Rekhade** as successor, of the deceased, to appear in the Court of **3rd Jt. Civil Judge Jr. Dn., Nagpur** on **12th day of Sept., 2025** at 10.30 a.m. There to enter their objections and it is here by declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of succession of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, this day of **7th day of August, 2025.**
Seal — **By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr.Dn. Nagpur.**
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6281 Dt. 04/09/25
IN THE COURT OF 3rd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 516
M.J.C. Case No. 831/2025
Fixed For 18/09/2025
Applicant : 1) Sanjay Laxminarayan Waghade, 2) Nitish Laxminarayan Waghade, 3) Kamlabai Laxminarayan Waghade, 4) Vaishali Laxminarayan Waghade --Versus--
Non-Applicants:Nil
Name of Deceased : 1) Satish Laxminarayan Waghade, Died On: 10/06/2015 R/o Near Gajanan Maharaj Mandir Juni Shukrawari, Malipura, Nagpur
Whereas **Satish Laxminarayan Waghade, Died On: 10/06/2015** R/o Near Gajanan Maharaj Mandir Juni Shukrawari, Malipura, Nagpur and Whereas **Sanjay Laxminarayan Waghade & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Sanjay Laxminarayan Waghade & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **3rd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **18th Day of Sept., 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, that **3rd day of Sept., 2025.**
Seal — **By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.**
Prasanna Publicity 09326927622

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 6134 Dt. 29/08/25
IN THE COURT OF 2nd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 304
M.J.C. Case No. 584/2025
Fixed For 06/10/2025
Applicant : 1) Syed Athar Hussain S/o Syed Asghar Hussain, 2) Syed Akhtar Hussain S/o Syed Asghar Hussain, 3) Syed Zafar Hussain S/o Syed Asghar Hussain --Versus--
Non-Applicants :Nil
Name of Deceased : 1) Syed Asghar Hussain, Died On: 11/03/1993, R/o Muslim Qabrastan Mominpura Nagpur-18
Whereas **Syed Asghar Hussain, Died On: 11/03/1993,** R/o Muslim Qabrastan Mominpura Nagpur-18 and Whereas **Syed Athar Hussain S/o Syed Asghar Hussain & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**
This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Syed Athar Hussain S/o Syed Asghar Hussain & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **2nd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **6th Day of October, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.
Given under my hand and the seal of the court, that **28th day of August, 2025.**
Seal — **By order of the Court, Asstt. Supdt. (T.W.), Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.**
Prasanna Publicity 09326927622

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतु संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

जिंदगी में हजारों लोग आवाज देंगे
लेकिन बैठना वहीं जहां पर अपनेपन का एहसास हो.

संपादकीय

सड़क पर उतरे युवा

नेपाल में सड़कों पर उतरा युवाओं का गुस्सा अचानक आई प्रतिक्रिया नहीं और न ही सरकार के किसी एक फैसले से उपजा आक्रोश है। यह लंबे वक्त की हताशा है, जो सब्र का बांध टूटने के बाद जाहिर हो रही। नेपाल सरकार को सख्ती के बजाय समस्या की जड़ को समझना चाहिए और युवाओं से बातचीत कर रास्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए।नेपाल सरकार ने स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन नहीं कराने के कारण बीते हफ्ते 26 सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बैन लगा दिया। इनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (पूर्व में ट्विटर), वट्सऐप जैसे बड़े प्लैटफॉर्म भी हैं। सरकार भले सुप्रीम कोर्ट के आदेश और नियमों का हवाला दे रही हो, लेकिन उसके इस कदम ने जनता खासकर युवाओं में दबे आक्रोश को उभार दिया। युवा वर्ग का कहना है कि यह प्रतिबंध सीधे उनके काम और अभिव्यक्ति पर है।

जो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म अभी उपलब्ध हैं, उन्हीं के जरिये युवा एक-दूसरे से जुड़े और इस आंदोलन को खड़ा किया। इस दौरान 'नेपो बेबी' ट्रेंड करना बताता है कि भाई-भतीजावाद और करप्शन से लोग किस कदर परेशान हैं। इस साल की शुरुआत में भी ऐसा ही एक आंदोलन हो चुका है, जब देशभर में मांग उठी कि राजशाही की वापसी हो। उस समय भी जनता ने भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा जताया था।नेपाल के अंदरूनी हालात लंबे समय से नाजुक बने हुए हैं। यह देश राजनीतिक अस्थिरता, बेरोजगारी और दूसरे मुद्दों से जूझ रहा है। विडंबना है कि 2008 में इन्हीं सब मुद्दों को लेकर व्यापक जन आंदोलन छिड़ा था, जिसने राजशाही का अंत कर गणतांत्रिक व्यवस्था कायम की। लेकिन, दो दशक भी नहीं बीते और उस सिस्टम से जनता का मोहभंग हो चुका है। चुने हुए नेताओं ने लोगों को किस कदर निराश किया है, समझने के लिए यह बताना काफी है कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। और, पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा से लेकर बाबूराम भट्टराई, प्रचंड और मौजूदा पीएम केपी शर्मा ओली तक - तमाम राजनेता किसी न किसी तरह के करप्शन के आरोपों का सामना कर रहे हैं।नेपाल की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन और प्रवासी नागरिकों की ओर से भेजी गई रकम पर निर्भर है, पर हाल में दोनों में कमी आई है। युवाओं में बेरोजगारी दर 19.2% है और 82% आबादी इनफॉर्मल एम्प्लोयमेंट में है। देश की जीडीपी में मामूली तेजी का अनुमान है, लेकिन सरकार युवाओं में उम्मीद और भरोसा जगाने में नाकाम रही है। युवाओं को कोरे वादे नहीं, बदलाव चाहिए।

गड़बड़ी की आशंका ने दिखाया ईवीएम ही हैं भरोसेमंद विकल्प

मृगांक शेखर

एक चुनावी किस्सा है. ये किस्सा अक्सर याद आ ही जाता है. ये किस्सा बलिया में हुए किसी चुनाव के दौरान का है. आम चुनाव ही. किस्सा भले ही काल्पनिक लगे, लेकिन हकीकत से दूर नहीं. उस चुनाव में दो उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर थी. दोनों में उन्नीस-बीस का ही फर्क माना जा रहा था. उस चुनाव में एक उम्मीदवार ने रिश्ते की उसी भावना के आधार पर अपनी रणनीति बनाई. और सुनते हैं, वो उम्मीदवार चुनाव भी जीत गया. कुछ दिनों से उस उम्मीदवार के कार्यकर्ता हर जगह से पॉजिटिव फीडबैक दे रहे थे, सिवाय एक बस्ती के. मालूम हुआ कि उस बस्ती के लोगों की जीत हार में निर्णायक भूमिका हो सकती है. परेशानी यह थी कि प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का बस्ती के लोगों पर खास प्रभाव था.

इस चुनौती से सामना कर रहे उम्मीदवार ने निजी तौर पर बस्ती के बुजुर्गों को अलग अलग तरीके से समझाने की तमाम कोशिशें की, लेकिन वे मुंह पर ही बोल देते कि वे पहले से ही तय कर चुके हैं कि वोट किसे देना है.

उम्मीदवार ने आगे बताया, बैलट पेपर पर आप लोगों को मुहर पहले उसी उम्मीदवार के चुनाव निशान पर लगानी है, जो आप सभी का पसंदीदा नेता है. बाद में थोड़ा सा मेरे चुनाव निशान पर भी मुहर छुआ देनी है. ज्यादा लगाने की जरूरत नहीं, जितना आप चाहें. अगर किसी का मन न बने, तो हल्का सा भी छुआ सकता है. लोगों ने बात मान ली. पसंदीदा उम्मीदवार को पूरा वोट दिया, और विरोधी को बस थोड़ा सा. नतीजे आए तो कत्ल की रात में सक्रिय उम्मीदवार चुनाव जीत गया. हारे हुए उम्मीदवार को कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था. बाद में विरोधी उम्मीदवार की चाल का पता चला तो सब लोग सिर पकड़कर बैठ गए. बस्ती का पूरा वोट अवैध घोषित करके रद्द कर दिए गये थे.

एनडीए के ट्रेनिंग सेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीछे की सीट पर बैठने की काफी चर्चा रही. उपराष्ट्रपति चुनाव में सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वोट डाला. विपक्ष की तरफ से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी भी वोट डाल चुके हैं. हाल में राहुल गांधी कुछ दिनों के लिए विदेश यात्रा पर थे - जरा सोचिये, वोट देने की ट्रेनिंग उन लोगों को दी जा रही है, जो खुद देश भर से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं. देश में लोकसभा-विधानसभा चुनाव दशकों से ईवीएम द्वारा हो रहे हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति के चुनाव में अब तक प्रक्रिया मतपत्रों वाली ही है. नतीजा ये होता है कि मतदान से पहले सांसदों को ट्रेनिंग दी जाती है. ताकि, उनका वोट अवैध न हो जाए. कल्पना कीजिए कि यदि ईवीएम के बिना चुनाव कराने की मांग ली जाती है तो सौ करोड़ मतदाताओं को कैसे ट्रेनिंग दी जाएगी? तब अवैध मतदान एक बड़ी समस्या बन जाएगा.

उपराष्ट्रपति चुनाव में गुप्त मतदान कराये जाते हैं, इसके कारण सांसद वोटर अपनी पार्टी व्हिप से बाध्य नहीं होते. वोटिंग के लिए सासंदों को बैलट पेपर दिए जाते हैं. बैलट पेपर पर दो उम्मीदवारों के नाम हैं. एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन हैं, जबकि इंडिया ब्लॉक के जस्टिस (रिटा.) बी. सुदर्शन रेड्डी.

निशान लगाने के लिए भी चुनाव अधिकारी की तरफ से दिए गये पेन का ही इस्तेमाल करना होता है - और फिर सही तरीके से बैलट पेपर को फोल्ड कर बैलट बॉक्स के अंदर डालना होता है.

चुनाव में इस बार तेलंगाना के मुख्यमंत्री रहे के. चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस और ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक की पार्टी बीजेपी ने किसी भी गठबंधन का समर्थन नहीं करने का फैसला किया है. विपक्ष इन दिनों वोट-चोरी को मुद्दा बना रहा है. बिहार में तो राहुल गांधी वोटर अधिकार यात्रा भी निकाल चुके हैं. एटम बम के बाद हाइड्रोजन बम की भी बात कर चुके हैं. लेकिन, वोट चोरी मुद्दा वहां बना है, जहां ईवीएम से चुनाव होते हैं. चुनाव बाद अक्सर ईवीएम पर सवाल उठते रहे हैं, और बैलट पेपर से ही चुनाव कराए जाने की मांग होती है.

राहुल गांधी अकसर मतदाता सूची में गड़बड़ी का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि किस तरह उन्हें चुनाव हराया जाता है. लेकिन, क्रॉस वोटिंग के उदाहरण से यह साबित हो जाता है कि जिसे मतदाता सूची देखकर आप अपना मान रहे हैं, हो सकता है कि वह मतदान करते समय आपके विरोधी को वोट डाल आ रहा है. चुनाव आयोग मान चुका है कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां होती हैं, जिसको सुधारने की प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है. लेकिन, यह नहीं मान लेना चाहिये कि इन गड़बड़ियों से कोई एक ही पार्टी प्रभावित हो रही है. वोट डालते समय सभी पार्टियों के पोलिंग एजेंट मतदान केंद्र पर होते हैं.

आलेख

मनोज सिंह

दोस्ती के बदलते रूप

जबलपुर के सेंट थॉमस स्कूल में अकसर एक ही बेंच पर बैठा करते थे। स्कूल से छूटते ही या फिर शाम को कई बार साइकिल पर साथ-साथ घूमना-फिरना, पिक्चर हॉल में आने वाली नई फिल्मों के पोस्टर देखने जाना, सड़कों पर बेवजह चक्कर लगाना, खेलना, पास के छोटे होटलों में चाय-समोसे खाना और साथ ही लड़कियों की चर्चा करते हुए गप्पें मारना, हमारी दिनचर्या में शामिल था। वो फुटबाल खेलने में अच्छा था और मैं पढ़ाई में। लेकिन बचपन से थोड़ा शरारती स्वभाव होने के कारण मैं सदा पीछे वाले सहपाठियों के साथ बैठने में लालायित रहता। जिसमें अधिकांश खिलाड़ी या फिर फेल होने वाले छात्र होते। इसके बावजूद चूंकि मस्ती पीछे के बैंचों में ही मिलती थी इसलिए आगे बैठना मुझे पसंद न था। दोस्तों की बात माने तो इसी कमजोरी की वजह से मैं, प्रतिस्पर्धा के युग में और अधिक आगे नहीं निकल पाया। यही कारण रहा जो भारत सरकार का प्रथम श्रेणी अधिकारी और टेक्नोक्रेट बनने पर भी प्रारंभ में इस बात का सदा मलाल रहता कि थोड़ी मेहनत और करने पर प्रशासनिक या पुलिस सेवा में जाकर कलेक्टर या पुलिस कप्तान भी बना जा सकता था। जो कि धीरे-धीरे बड़े-छोटे सभी नौकरों की हकीकत देखकर कम होता चला गया और फिर लेखन में आने के बाद तो यह मलाल पूरी तरह से जाता रहा।

खेल में अव्वल दिनेश बीएसएनएल में कार्यालय सहायक है मगर आज भी फुटबॉल खेलता है और दूरसंचार की मध्य प्रदेश टीम का कप्तान है। भारत संचार निगम लिमिटेड, अन्य शासकीय विभागों की तरह ही अखिल भारतीय स्तर पर अपने अधिकारी-कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतिवर्ष करता है। संयोग यूं हुआ कि इस बार की फुटबाल प्रतियोगिता चंडीगढ़ में थी और वह अपनी टीम के साथ यहां खेलने आया था। मिलते ही पहचानने में दिक्कत नहीं हुई थी। उसके बाल काले और पेट अंदर था।

वास्तुशास्त्र

जानिए, कौन-सी गलतियों से लग सकता है वास्तु दोष

अगर आप कुछ वास्तु नियमों की अनदेखी करते हैं, तो इससे आपके जीवन में कई तरह की परेशानियां बढ़ जाती हैं। वास्तु दोष धन खर्च का कारण बन सकता है, साथ ही घर में किसी सदस्य का लगातार बीमार रहना, लड़ाई-झगड़े जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप इन बातों का ध्यान रखकर भी वास्तु दोष से बच सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर आपका किचन घर की पश्चिम दिशा में है, तो इसे शुभ माना जाता है। बस इस बात का ध्यान रखें कि आपका किचन और टॉयलेट पास-पास नहीं होना चाहिए, वरना यह वास्तु दोष का कारण बन सकता है।

वास्तु शास्त्र में यह माना गया है कि घर की दक्षिण दिशा जितनी ढकी हुई हो उतना अच्छा होता है। ऐसे में आप घर की इस दिशा में भारी सामान जैसे तिजोरी, मशीनें आदि रख सकते हैं। ऐसा करने से स्थिरता बनी रहती है। लेकिन दक्षिण दिशा में भूलकर भी खराब मशीनरी, कबाड़, जूते-चप्पल या तुलसी का पौधा आदि नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना अशुभ माना गया है। आग्नेय कोण (दक्षिण-पूर्व दिशा) - वास्तु शास्त्र में इस दिशा को अग्नि की दिशा का रूप में देखा जाता है। ऐसे में आप इस दिशा में रसोई, बॉयलर, बिजली के उपकरण और हीटर जैसी आग से संबंधित चीजें रख सकते हैं।ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) - वास्तु शास्त्र में ईशान कोण को विशेष महत्व दिया गया है। इस दिशा में पूजा घर होना शुभ माना गया है। साथ ही घर की इस दिशा में वाटर टैंक या बोरिंग होना भी अच्छा होता है।

आस्था

रमेश लांजेवार

पितृ पक्ष का ऐतिहासिक गणपति महोत्सव

भारतीय संस्कृति में पितृ पक्ष को ऐसा समय माना जाता है जिसमें धार्मिक और पारिवारिक कार्यक्रमों से परहेज किया जाता है। परंतु, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र, खासकर नागपुर, में एक ऐसी अनोखी परंपरा आज भी जीवित है जो पितृ पक्ष के दौरान भी गणपति उत्सव को धूमधाम से मनाती है. जिसे कहा जाता है हडपका (या मस्कार्या) गणपति उत्सव।हडपका गणपति' उत्सव गणेश चतुर्थी की समाप्ति के बाद पितृ पक्ष की चतुर्थी, यानी भाद्रपद कृष्ण संकष्टी चतुर्थी से शुरू होता है। जहां सामान्यतः इस अवधि में शुभ कार्य नहीं किए जाते, वहीं विदर्भ में यह उत्सव सार्वजनिक रूप से मनाया जाता रहा है।

'हडपका' शब्द स्थानीय बोली में पितृ पक्ष के लिए इस्तेमाल होता है, और इसी कारण यहां के गणेश उत्सव को हडपका गणपति कहा जाता है। इसे 'मस्कार्या गणपति' भी कहा जाता है, क्योंकि इस दौरान मनोरंजन और हंसी-मजाक से भरे कार्यक्रम होते हैं।

इस परंपरा की शुरुआत 1755 ई. में हुई, जब नागपुर के भोसले राजवंश के राजा श्रीमंत खंडोजी महाराज भोसले (चिमनाबापू) बंगाल विजय से लौट रहे थे। चूंकि वे गणेश चतुर्थी के समय युद्ध में थे, वे गणेश उत्सव नहीं मना सके। तब राजपुरोहितों से सलाह कर पितृ पक्ष के दौरान गणपति स्थापना का निर्णय लिया गया, ताकि विजय का उत्सव मनाया जा सके। यह उत्सव तभी से जारी है और अब इसे 'विजयोत्सव' के रूप में भी जाना जाता है।इस उत्सव में परंपरागत रूप से लावणी, भारुड़, पोवाड़े, और खड़ी गम्मत जैसे लोक कार्यक्रम आयोजित होते थे। इसी मौज-मस्ती के कारण इसका नाम 'मस्कार्या गणपति' पड़ा। आज भी उत्सव में आधुनिक कार्यक्रम जैसे ऑर्केस्ट्रा, नाटक, सुगम संगीत आदि शामिल किए जाते हैं।इस ऐतिहासिक उत्सव का मुख्य आयोजन नागपुर के भोसले महल (राजवाड़ा) में होता है, लेकिन विदर्भ के अन्य जिलों में भी इसे पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह से मनाया जाता है।आज यह उत्सव 270 वर्षों से लगातार मनाया जा रहा है। यह न केवल गणेश भक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की लचीलापन, विविधता और परंपरा के साथ आधुनिकता के मेल को भी दर्शाता है। कहा जाता है कि इसी सार्वजनिक गणेश उत्सव की प्रेरणा से लोकमान्य तिलक ने भी गणपति उत्सव को स्वतंत्रता संग्राम का माध्यम बनाया।

हडपका गणपति उत्सव यह दर्शाता है कि भारत की संस्कृति समय के साथ बदलते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहती है। चाहे परंपरा हो या परिवर्तन, यह उत्सव यह साबित करता है कि श्रद्धा और समाजिक एकता मिलकर इतिहास रच सकते हैं। ऐसे ही उत्सवों के कारण आज दुनिया भारतीय संस्कृति की ओर आकर्षित हो रही है।

उपन्यास

प्रबोधकुमार गोविल

जल तू जलाल तू

सना और सिल्वा दोनों ही बहुत खुशमिजाज थीं। उनका दिमाग अपनी उम्र से कुछ आगे ही था। लेकिन फिर भी उनकी इच्छा बहुत पढ़ने से ज्यादा दुनिया देखने की थी। उन्हें जब भी कोई घूमने का अवसर मिलता, वे उसे छोड़ती नहीं थीं। पानी दोनों की पहली पसन्द नदी, समन्दर, सरोवर और झीलें उनके प्रिय स्थान होते थे। पिछले शनिवार को एशिया से आए एक पॉप-स्टार का जीवन्त कार्यक्रम देखने के बाद से उन्हें कई बार गुनगुनाते सुना गया था. कभी पत्थर पे पानी, कभी मिट्टी में पानी कभी आकाश पे पानी, कभी धरती पे पानी दूर धरती के तल में, बून्दभर प्यास छिपी है, सभी की नजर बचाकर वहीं जाता है पानी सच में पानी की बेचैनी भी बड़ी अजब है, सफीने इसी में तैरते हैं, इसी में डूबते हैं. सना मेन्डोलिन बजाती, सिल्वा गुनगुनाती। दुनिया ने अपने को जवान बनाए रखने के कितने नुस्खे ईजाद कर रखे हैं। जो लोग दुनिया से चले जाते हैं, वे भी फिर-फिर लौटकर आते हैं। और क्या, सिल्वा रस्बी की तरह दीन-दुनिया खोकर ही तो गाती थी।

पेरिना डेला के आने की तैयारियों में जुट गई। बहुत सालों के बाद ऐसा मौका आ रहा था, जब डेला अपने पति के साथ स्वदेश आ रही थी। किन्जान की उम्र से भी कम-से-कम दस वर्ष घट गए थे। सना और सिल्वा तो अपने पिता से पिछली बार तब मिली थीं, जब वे टीन एज में भी नहीं आई थीं।

और अब अब तो उनके कमरे के बाहर उनकी नेम-प्लेट्स लगी थी - 'सना रोज और सिल्वा रोज'किसी पिता के लिए यह बेहद गौरव का क्षण होता है, जब वह दीवार पर अपने बच्चों की नेम-प्लेट लगी देखे। पेरिना ने डेला के खत को कई बार पढ़ा था।

हास्य -व्यंग्य

सुरेश खांडवेकर

ताले में जिंदगी

मानव चांद पर पहुंच गया। मिसाइलों से लड़ने लगा। यहां तक कि उसने चलता-फिरता और आज्ञाकारी ढांचा रोबोट बना दिया। भूख और आवास की परेशानी से सारा विश्व चिंतित है। अर्थशास्त्री और वैज्ञानिक संतति निरोध पर बल दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ कृत्रिम मानव का उत्पादन होने लगा है। जहां मानव रोटी खाता है, वहां कृत्रिम मानव ईंधन और बिजली। भूख दोनों को ही है। लेकिन वह संतति को प्राकृतिक उपज मानता और कृत्रिम को मानव अपनी।

इतनी प्रगति के बावजूद वह मनुष्य के मानस की थाह नहीं जान पाया। आदमी ईमान पर विजय नहीं पा सका। अन्यथा मानव का मानव से विश्वास नहीं उठता। ना ही हांडमांस के अलावा बुद्धि रखने वाले मानव की अपेक्षा वह लोहे के आदमी का ज्यादा भरोसा करता। हम इतनी दूर की सोचते हैं कि पास की खबर ही नहीं। वरना चांद पर चढ़ने वाले मानव का साम्राज्य ताले में बंद क्यों होता? जीवन और व्यवसाय की बारीकियों को कंप्यूटर में झांकने वाला मानव, कम्प्यूटर को ताले में बंद क्यों करता?

जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य ताला-चाबी के रिश्तों को नहीं भुला पाया। भ्रम-विभ्रम का संस्कार उसका प्राकृतिक गुण और दोष बन गया है। वरना तालों से जुड़े शब्द और मुहावरे ही उत्पन्न न होते। दबाव में बंद कारोबार को हड़ताल या तालाबंदी कहते हैं, तो दबाये माल की पुष्टि के लिये जांच पड़ताल। संगीत में ताल गति और लय हैं। संगति में ताल ठोकने से लय बनती है, कारोबार में ताला ठोकने से कारोबार की गति रुकती है। तो दौड़ने की गति में अवरोध से कदमताल की शुरूआत। पहलवान ताल ठोकता है तो प्रतिद्वंद्वी को लड़ने का न्यौता देता है। आक्रामक का ताला तोड़ना श्रमिकों का अधिपत्य या भागीदारी। और ताला खुलवाना दोनों पक्षों की सहमति। अपनी लय में बोलने वाले वाचाल के सम्मुख प्रश्न चिन्ह। बोलती बंद होने पर जबाव पर ताले पड़ जाते है।

कविता

डॉ. महेंद्र भटनागर

तारों के गीत

झिलमिल-झिलमिल होते तारक
टिम-टिम कर जलते थिरक-थिरक !

कुछ आपस में, कुछ पृथक-पृथक
बिन मंद हुए, हंस -हंस, अपलक

कुछ टूटेपर, उत्सर्गजनक
नश्वर और अनश्वर दीपक।

बिन लुप्त हुए नव-ऊषा तक
रजनी के सहचर, चिर-सेवक !

देखा करते जिसको इकटक
छिपते दिखलाकर तीव्र चमक !

जग को दे जाते चरणोदक

इठला-इठला, क्षण छलक-छलक
झिलमिल-झिलमिल होते तारक !

कहानी

कमल

तीसरा सपना

न चाहते हुए भी भुजंग दम साधे पल्टू के पीछे खतरनाक पहाड़ी पर बढ़ा जा रहा था। उस बेहद कठिन सूत-सी पतली पगडंडी पर जरा भी चूक का अर्थ था, सैकड़ों फीट गहरी खाई में गिरना। लेकिन 'उस' तीखे मोड़ के नजदीक आते ही भुजंग की घबराहट बढ़ने लगी। काफी प्रयत्नों के बावजूद उसका ध्यान भटकने लगा। मैंने कहा मुझे गांव जाने दो, मगर तुम नहीं माने। अब बताओ तुम कैसे बचोगे? गुस्से से लाल आंखों वाले पल्टू का अट्टहास गहरी खाई में गूंजता चला गया। पसीने में सराबोर भुजंग का रहा-सहा हौसला भी टूट गया। उसके कदम लड़खड़ाये। पांव फिसलने की देर थी, वह झटके से गहरी खाई में गिरने लगा। उसके मुंह से मौत की डरावनी चीखें उबलने लगीं। वह बचने के लिए चारों तरफ हाथ-पांव मारने लगा। परन्तु उसके चारों तरफ पल्टू का अट्टहास करता डरावना चेहरा घूम रहा था। भुजंग का शरीर तीव्रता से गहरी खाई में गिरता जा रहा था।

इसके पूर्व कि पथरीली, नुकीली चट्टानों से टकरा शरीर टुकड़े-टुकड़े होता, उसकी नींद खुल गई। वह बुरी तरह हांफ रहा था। टटोल कर उसने लैंप जलाया और पानी की बोतल उठा मुंह से लगा ली। गट्ग ट्ग ट्पा नी की ठंढक गले से होकर पेट में उतरी तो ज़ोरों से धड़कते दिल ने कुछ राहत महसूस की। धीरे-धीरे वह प्रकृतस्थ होने लगा। पिछली तीन रातों से लगातार वही सपना उसे परेशान कर रहा है। अब यह बात उसके मन में घर करने लगी है कि जब तक पल्टू हवालात में बंद है, सपने में यूं ही उसे परेशान करता रहेगा। पल्टू को छुड़वा गांव वापस भेजना ही होगा। कल सुबह ही दूध बेचने का काम खत्म कर वह थानेदार से मिलेगा। ऐसा सोच वह लेट गया परन्तु नींद उससे कोसों दूर थी। पल्टू उसके दिलो-दिमाग पर बुरी तरह छाया हुआ था। ये है कहानी का सपना नंबर एक।

हस्तरेखाएं

शनि पर्वत वाले लोगों की होती है किस्मत बुलंद

किसी भी व्यक्ति के बारे में उसकी बर्थडेट और कुंडली के जरिए काफी कुछ जाना जा सकता है। वहीं हस्तरेखा शास्त्र के लिए इसकी भी जरूरत नहीं होती है। हथेली की रेखाओं और बनावट के जरिए किसी भी इंसान के बारे में जान सकते हैं। हथेली में कई ऐसे निशान और रेखाएं होती हैं जो किसी की भी कुंडली निकालकर रख देती हैं। आज बात करेंगे हथेली पर बने शनि पर्वत की। बता दें कि शनि पर्वत या तो इंसान को सफलता के शिखर पर पहुंचा देता है या फिर उसे नीचे पटक देता है।शनि पर्वत हमारी मध्यमा उंगली के ठीक नीचे होती है। इस पर्वत के जरिए कर्म, भाग्य और लाइफ में आने वाले हर अप्स एंड डाउन को समझा जा सकता है। अगर किसी व्यक्ति की हथेली में शनि पर्वत शुभ स्थिति में होता है तो उसके पास अथाह पैसा आता है। हर क्षेत्र में ऐसे लोगों को सफलता मिलती है। अगर ये अच्छी तरह से विकसित और उभरा हुआ होता है तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली होता है। शनि पर्वत की बनावट हर हाथ में अलग-अलग होती है। कुछ बनावट व्यक्ति की जिंदगी को संवार देते हैं वहीं कुछ बुरे संकेत भी देते हैं। अगर किसी के शनि पर्वत पर क्रॉस का निशान है तो ये शुभ नहीं माना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र के हिसाब से हाथ के शनि पर्वत पर ऐसा निशान होना एक्सीडेंट और चोरी-डकैती का संकेत देता है। ऐसे लोगों को गाड़ी वगैरह चलाते वक्त भी खूब सावधानी बरतनी चाहिए।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरूरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

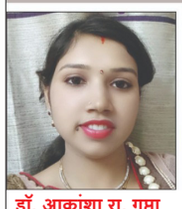
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

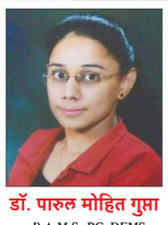
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

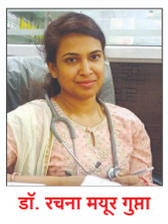
डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 10 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

गढ़चिरोली मेडिकल कॉलेज के विकास कार्यों में अनियमितता ?

गढ़चिरोली.

कई वर्षों की प्रतीक्षा के बाद गडचिरोली में शुरू हुआ सरकारी मेडिकल कॉलेज एक बार फिर विवादों में आ गया है। अस्थायी व्यवस्था के लिए किए गए 28 करोड़ के विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितता होने के आरोपों के बाद जिल्हाधिकारी अविश्यांत पांडा ने जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट पर लिए गए प्राध्यापक और कर्मचारियों की भर्ती पर भी कई लोगों ने सवाल खड़े किए हैं, जिससे कॉलेज प्रशासन मुश्किल में आ गया है।

गढ़चिरोली जिले के स्वास्थ्य और मेडिकल शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया यह मेडिकल कॉलेज इस समय मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण चर्चा में है। कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स तो शुरू हो चुका है लेकिन इसके लिए आवश्यक सुविधाओं का अभाव है। हॉस्टल में रहने और शौचालयों की सही व्यवस्था नहीं है। मेस (भोजनालय) की स्थिति बेहद खराब है। पढ़ाई के लिए जरूरी शैक्षणिक साधन, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं की हालत भी खराब है। इसकी वजह से छात्रों, शिक्षकों और मरीजों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज शुरू होने के बाद अस्थायी रूप से आधारभूत विकास कार्यों के लिए करीब 28 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, लेकिन गलत प्लानिंग के कारण कॉलेज की परेशानियाँ दूर होने के बजाय और बढ़ गईं। इस संदर्भ में विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने भी नाराजगी जताई थी। कुछ दिन पहले जिल्हाधिकारी अविश्यांत पांडा ने कॉलेज परिसर का दौरा किया था, जहाँ उन्होंने कार्यों की प्लानिंग पर नाराजगी जताई और मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाई थी।

जिलाधिकारी की ओर से जांच के आदेश

निम्न दर्जे के कामों को प्राथमिकता... : नए कॉलेज का काम सुचारु रूप से हो, इसके लिए सरकार ने 28 करोड़ रुपये से अधिक का फंड मंजूर किया था। इसके अनुसार प्रशासन से अस्थायी व्यवस्था के लिए जरूरी कामों की मांग की जानी चाहिए थी। लेकिन इसमें ज्यादातर निम्न दर्जे के काम किए गए। इसमें सड़कों का काम, विज्ञान महाविद्यालय के नए हॉस्टल का नवीनीकरण और अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बेहद खराब रही। आरोप है कि करोड़ों रुपये का घोटाला करने के लिए यह साजिश रची गई। इसी वजह से कॉलेज प्रशासन और सार्वजनिक बांधकाम विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

प्राध्यापकों के इस्तीफे...

कॉलेज में कई अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी योग्यता के अनुसार पद नहीं दिये गए, बल्कि उन्हें छोटे-मोटे कामों पर लगाया गया। इसकी वजह से कुछ कॉन्ट्रैक्ट पर लिये गए प्राध्यापकों ने इस्तीफा दे दिया। नई भर्ती प्रक्रिया को जानबूझकर टालने का आरोप भी लगाया गया है, जिससे शैक्षणिक कार्यों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इस बारे में अधिष्ठाता डॉ. टेकाडे से पूछने पर उन्होंने कहा कि फंड और मंजूरी न मिलने के कारण यह समस्या आई है, लेकिन जल्द ही सारी प्रक्रिया सुचारु होगी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी सार्वजनिक बांधकाम विभाग की है।

"दो हफ्ते पहले मैंने मेडिकल कॉलेज परिसर का दौरा किया। वहाँ की समस्याओं को समझा। उसके बाद जांच के आदेश दिए हैं। अगर अनियमितता पाई गई तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

– अविश्यांत पांडा, जिल्हाधिकारी

चंद्रपुर का विसर्जन समारोह आस्था, अनुशासन और उत्साह का अनूठा संगम : मुनगंटीवार

> विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर में गणेश विसर्जन समारोह के दौरान अनुशासन की सराहना की

> चंद्रपुर नगर निगम, गणेश मंडलों और पुलिस प्रशासन की सुचारु योजना

> हजारों भक्तों ने आस्था, भक्ति और उत्साह के साथ भगवान गणेश को विदाई दी

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर शहर में गणेश विसर्जन समारोह इस वर्ष भी भक्ति, अनुशासन और उत्साह से जगमगा उठा। हजारों गणेश भक्तों ने शांति और अनुशासन के साथ अपने प्रिय बप्पा को विदाई दी।

मनमोहक दृश्य, चौराहों से गूंजते "गणपति बप्पा मोरया" के जयकारे और भक्तों की आँखों में उमड़ते भावुक क्षण, सभी ने एक अविस्मरणीय वातावरण बनाया। पूर्व वन, सांस्कृतिक और मत्स्य पालन राज्य मंत्री और विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि चंद्रपुर विसर्जन समारोह आस्था, अनुशासन और उत्साह का एक अनूठा संगम है। विधायक मुनगंटीवार ने नगर निगम प्रशासन, पुलिस बल, गणेश मंडलों के साथ-साथ नागरिकों की भी विशेष रूप से प्रशंसा की।

चंद्रपुर शहर में भव्य गणेश विसर्जन समारोह अत्यंत अनुशासित और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। विधायक मुनगंटीवार ने हज़ारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गणेश विसर्जन जुलूस में भाग लिया। गणेश भक्तों से मिले, उन्हें शुभकामनाएँ दीं और मंच से उनसे बातचीत की। शहर का हर हिस्सा भक्ति से सराबोर इस समारोह से चंद्रपुरवासी अभिभूत थे।

गणेश भक्तों ने अपने प्रिय बप्पा को शांतिपूर्ण, अनुशासित और आकर्षक अंदाज़ में विदाई दी। "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" के जयकारों से माहौल उत्साह से भर गया। आँखों में आँसू, दिल में खुशी और अगले साल फिर से बप्पा के स्वागत की उम्मीद लिए हज़ारों भक्तों ने गणेश जी को विदाई दी।

इस अवसर पर, विधायक सुधीर मुनगंटीवार के साथ बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी चंद्रपुर शहर और ग्रामीण के पदाधिकारी और कार्यकर्ता विसर्जन समारोह में शामिल हुए। विधायक मुनगंटीवार ने विभिन्न गणेश मंडलों का दौरा किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं, नागरिकों से बातचीत की और विसर्जन समारोह की उत्कृष्ट योजना के लिए मंडलों और नागरिकों को उनकी अनुशासित भागीदारी के लिए बधाई दी।

इस पृष्ठभूमि में, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने चंद्रपुर नगर निगम, पुलिस प्रशासन, गणेश मंडलों और सभी गणेश भक्तों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, "चंद्रपुर शहर में यह विसर्जन समारोह आस्था, अनुशासन और उत्साह का संगम है। प्रशासन, नागरिकों और कार्यकर्ताओं के सहयोग ने इस समारोह को अविस्मरणीय बना दिया है।

ग्रामीणों के आवागमन के लिए रेलवे पुल तुरंत शुरू करे : दिनेश चोखारे

चंद्रपुर.

> जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में मांग

जिला केंद्रीय बैंक के निदेशक, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और कृषि उपज बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष दिनेश चोखारे ने जिलाधिकारी को सौंपे गए एक ज्ञापन में यह पूरजोर मांग की कि ताडाली, साखरवाही और येरुर गांवों को जोड़ने वाले पूर्ण रेलवे पुल को तुरंत जनता के लिए खोला जाना चाहिए।

चोखरे ने ज्ञापन में कहा कि - "विमला रेलवे साइडिंग से बड़ी मात्रा में कोयला परिवहन हो रहा है, जिससे सड़कों की हालत खराब हो गई है।

धूल के कारण प्रदूषण बढ़ा है और नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। रेलवे फाटक बार-बार बंद होने से ग्रामीण, किसान, छात्र और एम्बुलेंस फंस जाते हैं।

ऐसे में अगर यह पुल खुल जाए तो एक वैकल्पिक और सुरक्षित रास्ता मिल जाएगा।"

उन्होंने यह भी बताया कि यह पुल कृषि परिवहन, छात्रों की दैनिक यात्रा और आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं के लिए जीवन रक्षक साबित होगा। उपस्थित ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपते हुए सरकार और संबंधित विभाग द्वारा की जा रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर असंतोष है कि बनकर तैयार हो चुके पुल का लाभ नागरिकों को नहीं मिल रहा है और यह अभी भी उद्घाटन का इंतजार कर रहा है ग्रामीणों की मांग है कि - "सरकार और जनप्रतिनिधि तत्काल कार्रवाई करें और पुल का औपचारिक उद्घाटन कर इसे उपयोग के लिए खोल दें.

मुख्यमंत्री फड़णवीस से विधायक मुनगंटीवार की मुलाकात

> विभिन्न मुद्दों के लिए ज्ञापन दिया, सुरक्षा, स्मारक निर्माण, स्वास्थ्य और नक्सल प्रभावित क्षेत्र शामिल थे

> बल्लारपुर निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों, बिजली वितरण केंद्रों, किसानों के मुद्दों, दुर्घटना पीड़ितों को सहायता पर चर्चा

महत्वपूर्ण मांगों में सामाजिक न्याय

चंद्रपुर, सुनील तायडे

राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने नागपुर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की और चंद्रपुर ज़िले सहित राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की और एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। इनमें सामाजिक न्याय, सुरक्षा, स्मारकों के निर्माण, स्वास्थ्य, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण माँगें शामिल हैं। इस दौरान, विधायक मुनगंटीवार ने मुख्यमंत्री के साथ बल्लारपुर निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों, बिजली वितरण केंद्रों, किसानों के मुद्दों, दुर्घटना पीड़ितों को सहायता आदि पर विस्तृत चर्चा की।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने अपने वक्तव्य में कृषि पंपों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कृषि पंपों के बिजली कनेक्शन में हुई गड़बड़ियों के कारण राज्य के किसानों को मुआवजा देने और कंपनी प्रबंधन की उच्चस्तरीय जाँच की माँग की। साथ ही, किसानों को रबी सीजन 2024-25 के धान का बकाया तुरंत भुगतान किया जाए, सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकारियों को नगर परिषद और नगर निगम की सेवा में शामिल किया जाए, और सिंदखेडराजा, बुलढाणा आदि विभाग के लंबित बकाया राशि के तत्काल भुगतान हेतु धनराशि उपलब्ध कराने के संबंध में एक वक्तव्य भी प्रस्तुत किया। इसके साथ ही, बल्लारपुर विधानसभा क्षेत्र के मूल में पॉलिटेक्निक कॉलेज और कृषि महाविद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को भी ज्ञापन में शामिल किया गया।

मूल शहर और मूल ग्रामीण शाखा कार्यालयों को विभाजित करके राजोली में एक नया बिजली वितरण केंद्र स्थापित करने की मांग और पोंभुर्णा शाखा कार्यालय को विभाजित करके नवेगांव में एक नया बिजली वितरण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी विधायक मुनगंटीवार ने एक ज्ञापन के माध्यम से रखा।

विधायक मुनगंटीवार ने बल्लारशाह रेलवे पुलिस उप-विभाग को उन्नत कर उसे एक अलग रेलवे पुलिस थाने में बदलने का अनुरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि दुर्घटना में मारे गए नागरिकों के परिवारों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की जाए, जिनमें पोंभुर्णा तालुका के मौजा भटाली निवासी रंजीता तोडसे, ईश्वर कुसराम, शुल्क आलम और प्रकाशनगर महाकाली कॉलोनी (चंद्रपुर) निवासी सुजेन सैयद (उम्र 4 वर्ष) के परिवार शामिल हैं।

30 सितंबर तक संपत्ति कर पर 10% की छूट

चंद्रपुर.

> 13950 नागरिकों ने किया ऑनलाइन संपत्ति कर का भुगतान

> ऑनलाइन भुगतान तो 2 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट

चंद्रपुर महानगरपालिका चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एकमुश्त संपत्ति कर का भुगतान करने वालों को राहत दे रही है और 30 सितंबर से पहले कर का भुगतान करने पर 8 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। ऑनलाइन कर का भुगतान करने पर नगर पालिका द्वारा अतिरिक्त 2 प्रतिशत यानी 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। ऑनलाइन कर भुगतान के प्रति नागरिकों का रुझान बढ़ा है और कुल 13950 नागरिकों ने संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए ऑनलाइन प्रणाली का उपयोग किया है, जिनमें पिछले वित्तीय वर्ष में 8914 और इस वर्ष अगस्त तक 5036 नागरिक शामिल हैं।

पिछले वर्ष यानि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8914 संपत्ति मालिकों ने कुल 7 करोड़ 49 लाख 14 हजार 302 रुपये का भुगतान ऑनलाइन किया था, जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 5036 संपत्ति मालिकों ने कुल 2 करोड़ 97 लाख 51 हजार 350 रुपये का भुगतान ऑनलाइन किया है।

शहर में संपत्ति मालिकों द्वारा करों के भुगतान की सुविधा के लिए, चंद्रपुर नगर निगम ने ऑनलाइन यूपीआई ऐप यानी फोनपे, गूगल पे, भीम ऐप आदि उपलब्ध कराए हैं। अब, संपत्ति कर का भुगतान करना आसान हो गया है, और नागरिक chandrapurmc.org लिंक के साथ यूपीआई ऐप का उपयोग करके मोबाइल फोन के माध्यम से भी कर का भुगतान कर सकते हैं।

शहर में 80 हज़ार से ज़्यादा संपत्तियाँ हैं। इन संपत्तियों की कर राशि नकद या चेक के ज़रिए चुकाने की एक विधि है। इसमें नगर निगम के कर्मचारी घर-घर जाकर राशि वसूलते हैं या संबंधित संपत्ति मालिक नगर निगम के वार्ड कार्यालयों में जाकर राशि जमा करते हैं। हालाँकि, अक्सर समय की कमी या कार्यालय में भीड़ के कारण नकद या चेक से कर चुकाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में, आयुक्त एवं प्रशासक विपिन पालीवाल ने नागरिकों को कर भुगतान में सुविधा प्रदान करने के लिए कर प्रणाली को यूपीआई ऐप से जोड़ने के निर्देश दिए थे।

चूंकि संपत्ति कर पर यह छूट केवल 30 सितंबर, 2025 तक दी जा रही है, इसलिए चंद्रपुर नगर निगम अधिक नागरिकों से ऑनलाइन कर का भुगतान करके इस अतिरिक्त छूट का लाभ उठाने की अपील कर रहा है।

नहर में गिरें चीतल को जीवनदान

चंद्रपूर, सुलेमान बेग

स्वाब बचाव दल और वन विभाग ने छह घंटे चलाया अभियान

आलेवाही बीट के खारकला गाँव के पास गोसीखुर्द नहर में एक नर चीतल गिर जाने की सूचना पर सोमवार शाम स्वाब संगठन और वन विभाग की संयुक्त टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। यह अभियान शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक लगातार छह घंटे चला।

स्वाब संगठन के बचाव दल प्रमुख जीवेश सयाम, अध्यक्ष यश कायरकर, गणेश गुरनुले और आदित्य नन्हे स्वयं नहर में उतरे और लगभग चार किलोमीटर तक चीतल का पीछा किया। अंततः चीतल को रस्सी की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रात के अंधेरे में जंगल की ओर भागते हुए चीतल को देखकर उपस्थित सभी लोगों ने राहत की साँस ली। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, यह नर चीतल लगभग सात से आठ वर्ष का था।

अभियान में वन विभाग से वनरक्षक पंडित मेकेवाड़, वन चौकीदार देवेंद्र उइके, वन मजदूर वामन निकुरे तथा स्वाब फाउंडेशन से नितिन भेंडाले, अनमोल सेलोकर, साहिल अगडे सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

नहर बनी वन्यजीवों के लिए मौत का जाल : गौरतलब है कि पवनी से चंद्रपुर तक फैली यह गोसीखुर्द नहर तलोधी वन क्षेत्र से होकर गुजरती है। नहर खुली होने से वन्यजीव अक्सर इसमें गिरते रहते हैं। कुछ ही महीनों में नागभीड़ वन क्षेत्र में जंगली भैंसा, तलोधी क्षेत्र में दो नीलगाय, एक जंगली सूअर, पाँच चीतल और कई घरेलू पशु इसमें गिरकर जान गँवा चुके हैं।

स्थायी समाधान की माँग : स्वाब फाउंडेशन के अध्यक्ष यश कायरकर ने कहा कि, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए नहर पर निश्चित अंतराल पर पुलिया या चढ़ने के लिए सीढ़ियाँ बनाई जानी चाहिए। संस्था की ओर से बार-बार निवेदन करने के बावजूद प्रशासन और गोसीखुर्द निर्माण विभाग इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। यदि तत्काल कदम नहीं उठाए गए, तो वन्यजीवों की जान का नुकसान रुकना मुश्किल है।

एआई से बनी ऐश्वर्या राय की तस्वीरें वायरल

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं. बच्चन परिवार की बहू अपनी बेटी की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं. हालांकि किसी न किसी वजह के चलते वह हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं. इसी बीच ऐश्वर्या ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से अपने पर्सनालिटी राइट्स की रक्षा करने और कुछ लोगों द्वारा उनके नाम, इमेज और AI जेनरेटेड अश्लील कंटेंट का इस्तेमाल करने पर रोक लगाने की अपील की.ऐश्वर्या का कहना है कि बिना उनकी इजाजत के उनकी तस्वीरों को व्यवसायिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है.

एक्ट्रेस ने अदालत से अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है. ऐश्वर्या ने अपनी याचिका में कहा 'फेक इंटीमेट तस्वीरों का इस्तेमाल कॉपी, मग और अन्य सामान बेचने के लिए किया गया है. वहीं स्क्रीनशॉट्स में तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है, ये सभी एआई जेनरेटेड हैं.'जस्टिस तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह डिफेंडेंट्स को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे. ऐश्वर्या राय की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट संदीप सेठी ने कहा कि एक्ट्रेस अपने प्रचार और व्यक्तित्व के अधिकारों को लागू करना चाहती हैं और उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अनरियल इंटीमेट तस्वीरें इंटरनेट पर सर्कुलेटेड की जा रही हैं. संदीप सेठी ने कहा, "उनके पक्ष में किसी को भी उनकी छवि, समानता या व्यक्तित्व का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं हो सकता. लोग केवल उनका नाम और उनका चेहरा लगाकर पैसा इकट्ठा कर रहे हैं."

जैकी ने अनिल को जड़े थे 17 थप्पड़

जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर दोनों ही हिंदी सिनेमा के दमदार सितारे हैं. 68 साल के हो चुके जैकी श्रॉफ लगातार बड़ी-बड़ी फिल्मों में नजर आ रहे हैं. हालांकि अब दिग्गज एक्टर नेगेटिव रोल ज्यादा निभाते हैं. वहीं अनिल कपूर भी 68 साल की उम्र में एक से बढ़कर एक किरदार निभाते हुए नजर आ रहे हैं. इतना ही नहीं दोनों सितारे अपनी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी जाने जाते हैं. दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन 36 साल पहले एक फिल्म के सेट पर जैकी श्रॉफ ने अनिल को 17 जोरदार थप्पड़ जड़े थे. उन्होंने ऐसा क्यों किया था, चलिए जानते हैं. जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर ने फिल्म राम लखन, परिंदा और 1942: अ लव स्टोरी जैसी फिल्मों में साथ काम किया है. दोनों की जोड़ी को दर्शक साथ देखना काफी पसंद किया करते थे. लेकिन साल 1989 में रिलीज हुई परिंदा की शूटिंग के दौरान एक ऐसी घटना घटी, जिसे जैकी और अनिल भी आज तक नहीं भुला पाए होंगे.परिंदा की शूटिंग के दौरान, जैकी श्रॉफ ने पर्दे के पीछे का एक यादगार किस्सा सुनाया. विधु विनोद चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी इस क्राइम ड्रामा में एक सीन की ज़रूरत थी, जिसमें जैकी के किरदार को अनिल कपूर के किरदार को ज़ोरदार थप्पड़ मारना था. जैकी ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया, "डायरेक्टर ने पहले शॉट के लिए हामी भर दी थी और उनके हाव-भाव भी सही थे. लेकिन फिर उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे एक और चाहिए.' मैंने उन्हें फिर थप्पड़ मार दिया. उन्होंने फिर कहा, 'एक और.' मैंने उस सीन के लिए उन्हें 17 बार थप्पड़ मारे."विधु विनोद चोपड़ा की परिंदा (1989), एक ऐतिहासिक बॉलीवुड क्राइम ड्रामा है, जो मुंबई के अंडरवर्ल्ड की अंधेरी दुनिया को दर्शाती है. कहानी दो भाइयों की है, जिनमें से एक अपराध की दुनिया में धंस जाता है जबकि दूसरा सही रास्ते पर बने रहने की कोशिश करता है. जबरदस्त एक्शन सीन्स, मनोरंजक ड्रामा और जैकी श्रॉफ और अनिल कपूर की दमदार अदाकारी के साथ, यह फिल्म एक क्लासिक बन गई और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

फरहाना पर फूटा हिना खान का गुस्सा

बिग बॉस 19 के घर में कंटेस्टेंट्स के बीच की जंग अब बाहर आ चुकी है. इस बार टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने घर में चल रहे 'टीवी बनाम फिल्म' के विवाद में एंट्री ली है.

दरअसल, बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट फरहाना भट्ट ने टीवी एक्टर्स को फिल्म कलाकारों से कम बताया था. उनके इस बयान के बाद हिना खान ने उन्हें जमकर लताड़ा है. फरहाना के इस बयान से हिना खान इतनी नाराज हुईं कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्हें न सिर्फ 'लालची' कहा, बल्कि एक खुली धमकी भी दे डाली. हालांकि, बाद में उन्होंने ये पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक उनके स्क्रीनशॉट वायरल हो चुके थे.बिग बॉस से जुड़ी खबरें साझा करने वाले एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने हिना खान की दोनों पोस्ट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं. हिना ने अपनी पहली पोस्ट में फरहाना पर सीधा हमला करते हुए लिखा, हम किसी भी माध्यम में अच्छा और यादगार काम करना पसंद करते हैं, और हम सभी माध्यमों का बराबर सम्मान करते हैं. टीवी पर आकर खुद को फिल्म एक्टर कह कर बड़ा बताना एक अच्छा कलाकार ये कभी नहीं करेगा. खाली बातों से सिर्फ शोर आता है. सिर्फ शोर. हैश टैग अंगूर खट्टे हैं.अपनी दूसरी पोस्ट में भी हिना खान का गुस्सा और भी साफ नजर आया. उन्होंने फरहाना को करारा जवाब देते हुए लिखा, क्या टीवी का सबसे बड़ा रियलिटी शो आयनॉक्स में टेलीकास्ट या प्रीमियर हुआ है.

शक्तिमान की गीता विश्वास का बदला लुक

1997 में मुकेश खन्ना का सीरियल 'शक्तिमान' शुरू हुआ था, जो कई साल टीवी पर छाया रहा. इसे भारत का पहला सुपरहीरो शो कहा जाता है और उस दौर के बच्चों के लिए ये सीरियल एक इमोशन है.'शक्तिमान' में लीड एक्ट्रेस गीता विश्वास का रोल वैष्णवी महंत ने निभाया था.

उस समय उन्हें उस किरदार में लोगों ने काफी पसंद किया था और आज भी लोग उन्हें उसी किरदार के लिए याद करते हैं.9 सितंबर 1974 को मुंबई में जन्मीं वैष्णवी आज अपना 51वां जन्मदिन मना रही हैं. बचपन में वो साइंटिस्ट बनना चाहती थीं. उन्होंने उसी स्ट्रीम की पढ़ाई भी की और आगे की पढ़ाई के लिए हैदराबाद पहुंचीं. उसी बीच उन्हें रामसे ब्रदर्स की एक फिल्म का ऑडिशन देने का मौका मिला.रामसे ब्रदर्स उस समय अपनी फिल्म 'वीराना' (1988) के लिए एक लड़की की तलाश में थे. किस्मत से वैष्णवी को वो रोल मिल गया और उनके करियर की पहली फिल्म 'वीराना' ही बनी, जो सुपरहिट हुई थी.वैष्णवी ने शक्तिमान के अलावा 'मिले जब हम तुम', 'नागिन', 'बात बन जाए', 'घराना', 'छोटी मां', 'बैरी पिया', 'दिव्य दृष्टि', 'सावधान इंडिया', 'परदेस में है मेरा दिल' जैसे कई टीवी सीरियल में काम किया है.

कार एक्सीडेंट की झूठी खबर पर बोलीं काजल अग्रवाल

साउथ से लेकर बॉलीवुड तक धूम मचने वाली एक्ट्रेस काजल अग्रवाल के भयंकर कार एक्सीडेंट मे उनकी मौत की अफवाहें आ रही थीं. सोशल मीडिया पर वायरल इन खबरों में बताया जा रहा था कि एक्ट्रेस की भयंकर कार एक्सीडेंट की वजह से जान चली गई. हालांकि अब खुद काजल ने एक पोस्ट करते हुए इन खबरों को फेक बताया है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट करते हुए बताया है कि वो बिल्कुल ठीक हैं.सोशल मीडिया पर अपनी मौत की खबर सुनकर एक्ट्रेस एक्ट्रेस काजल अग्रवाल भी हैरान रह गईं.

इसके बाद खुद उन्होंने सामने आकर साफ कर दिया कि यह सिर्फ झूठी अफवाह है और इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है. सोमवार यानी 8 सितंबर को काजल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'मैंने कुछ अजीब खबरें देखीं, जिनमें कहा गया है कि मेरा एक्सीडेंट हो गया और मैं अब इस दुनिया में नहीं हूं. सच बताऊं तो यह सब पढ़कर मुझे हंसी आ रही है क्योंकि यह खबरें पूरी तरह झूठ हैं. भगवान की कृपा से मैं बिल्कुल ठीक हूं, सुरक्षित हूं और अच्छा कर रही हूं. कृपया ऐसी फर्जी खबरों पर विश्वास न करें और इन्हें फैलाएं भी नहीं. हमें अपनी एनर्जी पॉजिटिव चीजों पर लगानी चाहिए.'एक्ट्रेस की इंस्टग्राम स्टोरी देखने के बाद फैंस की हैरानी कम हुई. उनके फैंस इस झूठी खबर से काफी परेशान हो गए थे.

बिग बॉस 19 में कुनिका ने उठाए सवाल तान्या की परवरिश पर

बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट्स गेम में बने रहने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. ये सीजन बिग बॉस के इतिहास का सबसे लंबा सीजन होने वाला है, इसलिए मेकर्स ने शो के शुरुआती हफ्तों में ही वाइल्ड कार्ड की एंट्री घर में करवा दी है. शहबाज़ बदेशा वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनकर शो में शामिल हो गए हैं. वहीं अब घर का माहौल बदलता हुआ नजर आ रहा है. इसी बीच बिग बॉस ने घरवालों को नॉमिनेशन टास्क दिया, जहां कुनिका सदानंद ने तान्या मित्तल पर काफी पर्सनल कमेंट्स किए और उन्हें फूट-फूटकर रोने पर मजबूर कर दिया.बीते एपिसोड में बिग बॉस नॉमिनेशन टास्क की घोषणा करते हैं. टास्क में प्रतियोगियों को एविक्शन के दौरान सुरक्षित रहने के लिए 19 मिनट गिनने होते हैं. खुद को बेघर होने से बचाने के लिए सभी कंटेस्टेंट्स को वक्त का ध्यान रखना था.

वहीं बाकी घरवालों को टास्क के दौरान मौजूद कंटेस्टेंट का ध्यान भटकाकर उसे गिनती भुलवानी थी. जब नगमा मिराजकर टास्क करती हैं, तो बसीर अली यह कहकर उनका ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं, "ऐसा लग रहा है आवेज़ अपना असिस्टेंट लेकर आया है. इस बीच अभिषेक बजाज टास्क के दौरान प्रणित मोरे को बजर दबाने के लिए उकसाते हैं, जबकि प्रणित मोरे टास्क के दौरान मिनट गिनते रहते हैं. दूसरी ओर अशनूर कौर, फरहाना भट्ट पर यह कहकर हमला बोलती हैं कि उनके पास दिल नहीं है. शहबाज़ बदेशा ने गौरव खन्ना का ध्यान भटकाते हुए कहा, जैसा आपका गेम चल रहा है, गेम नहीं ग्रुप बाजी है. फिर बारी आती है तान्या मित्तल के टास्क परफॉर्म करने की. तान्या का ध्यान भटकाने का काम कुनिका सदानंद को मिला था. कुनिका सदानंद तान्या मित्तल से कहती हैं, "बेसिक चीजें आपकी मां ने आपको नहीं सिखाईं. कुनिका का परिवार और परविश को लेकर कमेंट करना तान्या को बिल्कुल भी रास नहीं आता है. इस दौरान तान्या बुरी तरह से टूट जाती है और फूट-फूटकर रोने लगती हैं. जिसके चलते उनकी सांस फूलने लगती है, वह शिकायत करती है कि कुनिका उसकी मां को इसमें शामिल नहीं कर सकती.

नेपाल की हिंसा पर मनीषा कोइराला हुईं भावुक

नेपाल में इस समय हालात बहुत ही खराब हैं और इसका कारण है वहां की सरकार ने सोशल मीडिया पर बैन लगा दिया है. जिसके चलते नेपाल के युवा सड़कों पर उतर आए हैं और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. यहां तक कि प्रदर्शनकारी संसद भवन परिसर में घुस गए और उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें करीब 20 लोगों की जान चली गई है और करीब 200 लोग घायल हो गए हैं.

इस गेन -झेड प्रोटेस्ट को लेकर अब बॉलीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा है और वह भावुक हो गईं. आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या लिखा है.मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है, जिसमें सड़क पर खून से सना हुआ एक जूता नजर आ रहा है.

इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'आजको नेपालका लागि कालो दिन हो. जब जनताको आवाज, भ्रष्टचार विरुद्धको आक्रोश र न्यायको मागलाई गोलीले जवाफ दिइयो.' मनीषा कोइराला का कहना है, 'नेपाल के लिए आज एक काल दिन है. जब लोगों की आवाज, भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया जाता है.' इस तरह से नेपाल के हालात देखकर मनीष कोइराला भावुक हो गई हैं.

भारतीय जूनियर हॉकी टीम 28 नवंबर से चिली के खिलाफ शुरू करेगी अभियान

चेन्नई. मेजबान भारतीय टीम नवंबर दिसंबर में चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान का आगाज 28 नवंबर को चिली के खिलाफ करेगी। पिछली चैम्पियन जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका के बीच मदुरै में उद्घाटन मैच खेला जाएगा। पहली बार टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग ले रही हैं और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

एफआईएच अध्यक्ष तैयब इकराम, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री टी उदयनिधि स्टालिन, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह की मौजूदगी में आयोजित एक समारोह में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की गई। इन 24 टीमों में पाकिस्तान भी शामिल है जिसे पहला मैच स्विटजरलैंड से 28 नवंबर को चेन्नई में खेलना है।

पाकिस्तान ने हालांकि अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के मद्देनजर सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बिहार के राजगीर में रविवार को समाप्त हुए एशिया कप में अपनी टीम नहीं भेजी थी। भारत ने हालांकि कहा था कि पाकिस्तानी टीम को वीजा मुहैया कराया जाएगा। भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशिया कप खिताब जीता और अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई किया। भारत और पाकिस्तान का सामना 29 नवंबर को चेन्नई में होना है। भारतीय टीम दो दिसंबर को चेन्नई में स्विटजरलैंड से खेलेगी।सभी 24 टीमों को चार चार के छह पूल में बांटा गया है। भारत को पूल बी में पाकिस्तान, चिली और स्विटजरलैंड के साथ रखा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष टीम और दो सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान की टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इसके बाद से नॉकआउट आधार पर मैच खेले जाएंगे। भारत ने 2001 में होबर्ट में और 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप जीता है। जर्मनी टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जिसने सात बार खिताब जीता है।

'बैजबॉल' शब्द पर भड़के ब्रेंडन मैकुलम

नई दिल्ली. इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वच्छंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है। उन्होंने आगे ये भी कहा कि बैजबॉल को लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया, लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है।एक रिपोर्ट के अनुसार, मैकुलम ने 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट में कहा, ''हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। मुझे लगता है कि यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं, लेकिन हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है।'' खासतौर पर मैकुलम का ये बयान बैजबॉल से जुड़ा हुआ है।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम ने आगे कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। हेड कोच मैकुलम ने इसी पॉडकास्ट में आगे कहा, ''हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है जिसमें हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन करें। इसलिए एक निश्चित शैली या खेलने के तरीके पर विश्वास रखने से हमारी सफलता की संभावना बढ़ जाती है।'' मैकुलम अब इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के हेड कोच भी हैं, लेकिन उतनी सफलता उनको सीमित ओवरों की क्रिकेट में नहीं मिली है।

सारा की सगाई की चर्चा ज़ोरों पर

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर मार्कस स्टोइनिस ने अपनी गर्लफ्रेंड सारा के साथ सगाई कर ली है. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी फोटो शेयर की. स्टोइनिस ने फिल्मी अंदाज में गर्लफ्रेंड को प्रपोज किया था. कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, आरोन फिंच, ब्रेट ली, मिचेल मार्श आदि उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें जीवन की इस नई पारी के लिए बधाई दी.

मार्कस स्टोइनिस को भारत में क्रिकेट देखने वाला हर शख्स जानता होगा, वह IPL में अभी पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं. पहले वह आरसीबी, दिल्ली और लखनऊ के लिए खेल चुके हैं. इसके आलावा वह दुनिया की कई टी20 लीग में भी खेलते हैं. ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर प्लेयर मार्कस स्टोइनिस ने 71 वनडे और 74 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं. इसमें उन्होंने क्रमश 1495 और 1245 रन बनाए हैं. वनडे में उनके नाम 48 और टी20 में 45 विकेट हैं. उनकी मंगेतर सारा आईपीएल मैचों को देखने के लिए कई बार भारत आ चुकी हैं. मार्कस स्टोइनिस को भारत में क्रिकेट देखने वाला हर शख्स जानता होगा, वह आईपीएल में अभी पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं. पहले वह आरसीबी, दिल्ली और लखनऊ के लिए खेल चुके हैं. इसके आलावा वह दुनिया की कई टी20 लीग में भी खेलते हैं.

राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में दो छात्रों का चयन

साल्हेवारा/दुर्ग. छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के सेजेस विद्यालय साल्हेवारा के दो छात्रों ने पाटन में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय तलवारबाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने का गौरव प्राप्त किया है। कक्षा 9वीं की छात्रा भावना झारिया और कक्षा 8वीं के छात्र शनि शुक्ला ने राज्य प्रतियोगिता में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते हैं।

भावना झारिया ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि शनि शुक्ला ने व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। दोनों खिलाड़ियों का चयन अब महाराष्ट्र में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

हॉन्ग कॉन्ग का अजेय रिकॉर्ड दांव पर! अफगानिस्तान का मजबूत रिकॉर्ड

अबू धाबी. अफगानिस्तान और हॉन्ग-कॉन्ग के बीच मुकाबले से एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा है. दोनों टीमों के बीच मुकाबला अबू धाबी में है, जहां एक-दूसरे के खिलाफ हॉन्ग-कॉन्ग की जीत का रिकॉर्ड टी20आई में 100 प्रतिशत है. बेशक, इस आंकड़े को जानने के बाद आप थोड़े हैरान हुए होंगे. लेकिन यही सच है. और, अब एक बार फिर से अफगानिस्तान को हराने के लिए हॉन्ग-कॉन्ग 10 साल पुरानी तरकीब को आजमाने पर फोकस कर रहा है.

अबू धाबी में अफगानिस्तान और हॉन्ग-कॉन्ग के बीच मुकाबला भारतीय समय से रात के 8 बजे शुरू होगा. इसमें दो राय नहीं कि अबूधाबी,यूएई के उन वेन्यू में है,

जहां अफगानिस्तान का रिकॉर्ड सबसे बेहतर है. उसने यहां 11 टी 20 इंटरनेशनल मुकाबले जीते हैं और 5 हारे हैं. इन 5 हारों में ही अफगानिस्तान के खिलाफ हॉन्ग कॉन्ग की जीत भी अबूधाबी में छिपी है. एशिया कप 2025 में टकराने से पहले दोनों टीमें अबू धाबी में सिर्फ 1 टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेली हैं, जिसमें हॉन्गकॉन्ग ने अफगानिस्तान को 4 विकेट से हराया था. मतलब, उसकी जीत का प्रतिशत अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ 100 प्रतिशत है.

अब सवाल है कि वो 10 साल पुरानी तरकीब क्या है, जिससे प्रेरणा लेकर हॉन्ग कॉन्ग, एशिया कप 2025 के पहले ही मैच में अफगानिस्तान को हरा सकता है. तो इसका ताल्लुक उस इकलौते टी20 आई मुकाबले से है, जो दोनों टीमों के बीच 10 साल पहले यानी साल 2015 में खेला गया था. अबू धाबी में अफगानिस्तान को हराने के लिए हॉन्ग कॉन्ग एक बार फिर से वही पुराना पैंतरा आजमा सकता है.

चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को समय रहते किया चेज

यहां पैंतरे से मतलब हॉन्ग कॉन्ग की फील्डिंग और उसकी बल्लेबाजी से है. क्योंकि इन्हीं दो के जोर पर उसने एक दशक पहले खेले इकलौते टी20 में जीत दर्ज की है. 2015 में जब पहली और आखिरी बार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में दोनों टीमें टकराई थीं तो अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 162 रन बनाए थे. उसके गिरे 6 विकेटों में से 3 विकेट रन आउट से मतलब चुस्त फील्डिंग के जरिए मिले थे. उसके बाद जब रनचेज की बारी आई तो बल्लेबाजों ने 163 रन के लक्ष्य को 2 गेंद पहले ही चेज कर लिया.

'मिनी ब्राजील' उमा केवट का नया मुकाम

भोपाल. मिनी ब्राजील के नाम से मशहूर विचारपुर की गोलकीपर उमा केवट को मध्य प्रदेश की सीनियर फुटबाल टीम में शामिल किया गया है। उमा ने खेल दिवस के मौके पर राजधानी के तात्या टोपे स्टेडियम में खेले गए प्रदर्शन मुकाबले में धार जिले के सरदापुर ग्राम की टीम के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन कर प्रशंसा बटोरी थी। खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर की ट्राफी प्रदान की थी। वह टीम के साथ भावनगर के लिए रवाना हो गई हैं। मप्र टीम का कैंप रायसेन जिले के देवरी में लगा था।

मप्र टीम के प्रशिक्षक परम असावार ने बताया की हमारी टीम संतुलित है। रविवार को भोपाल से टीम रवाना हो गई है। गुजरात के भावनगर में आल इंडिया फुटबाल फेडरेशन के तत्वावधान में 10 से 14 सितंबर तक राष्ट्रीय ओपन सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता खेली जाएगी। उमा केवट के मप्र टीम में चयन होने पर कलेक्टर शहडोल केदार सिंह, सहायक संचालक खेल फुटबाल प्रशिक्षक रईस अहमद, अनिल सिंह, लक्ष्मी सहिस, सीताराम सहिस, शंकर दाहिया ने शुभकामनाएं दी हैं।भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सरदारपुर ने भले ही मुकाबला 1-0 से जीता था, लेकिन दिल विचारपुर की टीम ने जीता था। मैच का एकमात्र गोल शुरुआत में भारतीय टीम में शामिल ज्योति चौहान ने किया था। इसके बाद पूरे मुकाबले में सरदारपुर टीम ने कई प्रहार किए, लेकिन चुस्त दुरुस्त गोल कीपिंग से उमा ने सभी आक्रमणों का कुशलता पूर्वक सामना किया था। पूरे मुकाबले में उमा के खेल की उपस्थित दर्शकों ने जमकर सराहना की थी।मध्य प्रदेश टीम इस प्रकार है: उमा केवट, कनक वाधानी, वर्षा ओड, अनुरागिनी चक्रवर्ती, हर्षिता वाटे, दीप्ति, उमा उइके, सिद्धिका विश्नोई, सयुक्ता, आकांक्षा नारते.

भारत में होगा 2026 बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन

नई दिल्ली. भारत को एक बार फिर बैडमिंटन की दुनिया में बड़ा सम्मान मिलने जा रहा है। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन नई दिल्ली में किया जाएगा। इसका ऐलान पेरिस में चल रही मौजूदा विश्व चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर भारत के स्टार डबल्स जोड़ीदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कांस्य पदक जीता, जो उनकी विश्व चैंपियनशिप में दूसरी पदक उपलब्धि है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव ने आभार किया व्यक्त. बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, "हम बीडब्ल्यूएफ का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने भारत को यह मेजबानी सौंपी। हम भरोसा दिलाते हैं कि भारत भी पेरिस की तरह उत्कृष्टता और भव्यता के उसी स्तर को आगे बढ़ाएगा। हम पूरी बैडमिंटन फैमिली का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।"

भारत का विश्व चैंपियनशिप में प्रदर्शन. अब तक भारत ने विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में 15 पदक जीते हैं। इनमें से पांच पदक अकेले पीवी सिंधु ने जीते हैं— 1 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य।

'काका' की निगाहें बड़ी इनामी राशि पर!

नई दिल्ली. टीम इंडिया को काका जिताएंगे एशिया कप ? अब आप सोचेंगे कि ये काका कौन है? तो ऐसा नहीं है कि उनसे आप अंजान है. टीम इंडिया में उनका कद बड़ा है. एशिया कप 2025 में काका, टीम के उप-कप्तान भी है. अब तो आप समझ ही गए होंगे कि काका कौन हैं? वो हैं शुभमन गिल, जिनकी नजरें 17वें एशिया कप में 12.50 लाख रुपये पर जमीं हैं. गिल अगर उन पैसों पर अधिकार जमा लेते हैं तो फिर उसके बूते काफी हद तक टीम इंडिया का एशिया कप 2025 में चैंपियन बनना भी तय हो जाएगा. मतलब, काका यानी कि शुभमन गिल गेम चेंजर बन सकते हैं.

सबसे पहले तो ये जानिए कि काका कहलाने से गिल का क्या ताल्लुक? तो ये दरअसल उनका निकनेम है, जिसके बारे में उन्होंने 'बिहाइंड द सीन विद शुभमन गिल' नाम के प्रोग्राम में बताया था. शो में गिल ने बताया कि उनका निकनेम काका है, जिसका मतलब उन्होंने बताया कि पंजाबी में बेबी होता है.

अब काका निकनेम गिल को ब्राजील के फुटबॉलर

काका के नाम पर पड़ा या फिर किसी और वजह से उस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है.

शुभमन गिल का निकनेम तो जान लिया अब 12.50 लाख रुपये पर नजरें जमाए ये भारतीय बल्लेबाज कैसे एशिया कप 2025 में टीम इंडिया का गेम चेंजर बन सकता है, वो जानिए. भले ही एशिया कप में शुभमन गिल जुलाई 2024 के बाद कोई T20 इंटरनेशनल मुकाबला खेलते दिखेंगे. बावजूद इसके वो टीम इंडिया की बल्लेबाजी की ताकत रहेंगे. इसके पीछे की वजह उनकी बल्लेबाजी तकनीक और इनिंग को अपने हिसाब से पेस करने की काबिलियत तो है ही. साथ ही स्पिन खेलने की उनकी महारत भी है.

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में हो रहा है, जहां की पिचें स्पिनर्स के माकूल हैं. ऐसी पिचों पर मौजूदा वक्त में जिस बल्लेबाज का बल्ला व्हाइट बॉल क्रिकेट में सबसे जोर से चलता है, वो शुभमन गिल हैं. ऐसे में वो टीम इंडिया के ट्रंप कार्ड बन सकते हैं.

संजू सैमसन का पत्ता कट नहीं मिलेगी प्लेइंग-11 में जगह

नई दिल्ली. जब तक भारत और यूएई के बीच एशिया कप 2025 का मुकाबला शुरू नहीं होता, तब तक ये सवाल लगातार उठता रहेगा- क्या टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में संजू सैमसन को जगह मिलेगी या नहीं? जब से इस टूर्नामेंट के स्क्वॉड का ऐलान हुआ और उसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाकर शामिल किया गया, तब से ही सबसे गरमा-गर्म बहस इसी मुद्दे पर छिड़ी हुई है.

कल टूर्नामेंट शुरू हुआ और आज भारत का पहला मैच है. मगर उससे दो दिन पहले ही टीम के प्रैक्टिस सेशन से जो खबरें निकलकर आई हैं, उससे तो यही लग रहा है कि सैमसन को बाहर बैठना पड़ेगा.

एशिया कप के लिए टीम इंडिया 4 सितंबर को ही दुबई पहुंच गई थी और उसके बाद से ही वो अभ्यास में जुटी हुई थी. सोमवार 8 सितंबर को टीम इंडिया का तीसरा प्रैक्टिस सेशन था और इसमें भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने जिस क्रम में नेट्स में अभ्यास किया, वो संजू सैमसन और उनके फैंस के लिए तो अच्छे संकेत नहीं दे रहे. रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम इंडिया के लिए शुरुआती डेढ़ घंटे में जिन बल्लेबाजों ने प्रैक्टिस की संजू उनमें नहीं थे.

रिपोर्ट में बताया गया है कि टीम इंडिया के लिए शुरुआत में अभिषेक शर्मा, उप-कप्तान शुभमन गिल, तिलक वर्मा, कप्तान सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या ने बल्लेबाजी की. इनके अलावा जितेश शर्मा भी बैटिंग का अभ्यास करते दिखे. वहीं इस दौरान संजू सैमसन विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस में व्यस्त थे. जितेश और संजू के बीच ही प्लेइंग-11 में विकेटकीपर-बल्लेबाज की जगह को लेकर टक्कर है और इस प्रैक्टिस सेशन संजू के लिए अच्छी तस्वीर तो पेश नहीं करता.

इसी रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि करीब डेढ़ घंटे की बैटिंग प्रैक्टिस के बाद जितेश शर्मा ने विकेटकीपिंग में वक्त बिताया. इसी दौरान संजू सैमसन को बैटिंग के लिए नेट्स में जाने का मौका मिला और फिर उन्होंने कुछ देर बल्ला चलाया. अब टीम इंडिया की ओर से प्लेइंग इलेवन को लेकर किसी तरह का कोई बयान या दावे नहीं किए गए हैं लेकिन इस एक प्रैक्टिस सेशन ने इतने संकेत तो दे दिए कि संजू को इस टूर्नामेंट में अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है.

केरल में मस्जिद को पोलिंग बूथ बनाने पर विवाद

> बवाल बढ़ा, मामला हाई कोर्ट पहुंचा

तिरुवनंतपुरम.

केरल की राजनीतिक पार्टी ट्वेंटी 20 ने एक वार्ड सदस्य के साथ केरल हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है. याचिका में किझाक्कम्बलम पंचायत निकाय के उस प्रस्ताव को चुनौती दी गई है जिसमें आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कुम्मानोडु वार्ड का पोलिंग बूथ मद्रासतुल इस्लामिया की मस्जिद में बनाने का प्रस्ताव रखा गया है.

इस मामले की सुनवाई जस्टिस सी.एस. डायस कर रहे हैं. जस्टिस ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते समय राज्य चुनाव आयोग से इस मामले में जवाब मांगा है. इस मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी.

केरल हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा धार्मिक स्थलों के अंदर पोलिंग बूथ बनाना धारा 9 का उल्लंघन है. याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस धारा का उद्देश्य इस तरह की सोच और धारणा से बचना था, जिससे ऐसा न लगे कि चुनाव प्रक्रिया किसी धर्म से प्रभावित हो रही है.

याचिका में यह भी कहा गया है कि धार्मिक स्थलों पर पोलिंग बूथ बनने की वजह से मतदाताओं पर उस धर्म से जुड़ी राजनीतिक पार्टियों का थोड़ा-बहुत तो असर पड़ना स्वाभाविक है.

याचिकाकर्ताओं ने किझाक्कम्बलम पंचायत के सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक के फैसले की एक कॉपी अदालत में प्रस्तुत की और आरोप लगाया कि मस्जिद को पोलिंग बूथ बनाने के फैसले पर उनकी द्वारा कि गई आपत्तियों पर ध्यान ही नहीं दिया गया है. इसमें यह भी कहा गया है कि एक महीने बाद हुई दूसरी बैठक में कई राजनीतिक पार्टी के नेताओं ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि बैठक के दौरान की गई सभी सिफारिशों और चर्चाओं को कार्यवृत्त में ठीक से दर्ज नहीं किया गया था.

2020 के चुनाव में हो चुकी हिंसा

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि 2020 के चुनावों के दौरान हिंसा हुई थी और मदरसतुल इस्लामिया पोलिंग बूथ पर उनके सदस्यों पर बेरहमी से हमला किया गया था. उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत चुनाव के उप-कलेक्टर के सामने दर्ज की गई थी, लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई.

भंडारे का बचा खाना बना बीमारी की वजह

>100 लोग अस्पताल में भर्ती

कासगंज.

उत्तर प्रदेश के कासगंज के सिढपुरा विकास खंड क्षेत्र में एक साथ करीब 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई. ये मामला कायमपुर गांव से सामने आया है, जहां हनुमान मंदिर पर गांव वालों की मदद से से कथा के बाद भंडारे का आयोजन किया गया था.

भंडारे का बचा हुआ खाना खाने से 100 से ज्यादा गांव वालों की तबीयत खराब हो गई. इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करा गया. हुआ यूं कि गांव कायमपुर के हनुमान मंदिर पर सभी गांव वालों ने मिलकर कथा का आयोजन कराया.

शनिवार को कथा के समापन पर रविवार को भंडारा हुआ. भंडारे में पांच हजार के तकरीबन लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया. सोमवार को बचे हुए खाने को गांव वालों में बांट दिया गया, लेकिन बचा हुए खाना खाने के बाद करीब 100 लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई और उन्हें उल्टी, दस्त और पेट में दर्द की शिकायत हुई.इसके बाद जिन लोगों की तबीयत बिगड़ी उन्हें सिढपुरा, अमांपुर, कासगंज जिला अस्पताल में भर्ती कराया.

इसके साथ ही कई लोगों को प्राइवेट हॉस्पिटल में भी भर्ती कराया. दो दर्जन गांव वालों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया. मामले की जानकारी मिलने पर फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम भी मौके पर पहुंची और खाने के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे.

रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि आखिरकार गांव वालों की तबीयत खाना खाने से क्यों बिगड़ी.

हाल ही में मध्य प्रदेश के शिवपुरी के कोलारस थाना क्षेत्र के मोहराई गांव से एक ऐसा मामला सामने आया था, जब भंडारे का हलवा खाने से 250 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी. इसके बाद लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

भंडारे में देसी घी से बना हुआ हलवा प्रसाद के रूप में परोसा गया, लेकिन जो घी का डिब्बा सामने आया था. उस पर साफ तौर पर लिखा था कि घी इंसानों के खाने के लायक नहीं है.

सेवादार बनकर दो करोड़ का कलश चुराए

नई दिल्ली.

देश की राजधानी दिल्ली से तीन कलश चोरी हो गए थे. ये तीनों कलश लाल किला के सामने पार्क से चोरी हुए थे. दो करोड़ की कीमत वाले ये कलश जैन समाज के धार्मिक अनुष्ठान से चुरा लिए गए थे. अब उत्तर प्रदेश की हापुड़ पुलिस ने कलश चोरी के इस मामले में मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है. साथ ही चोरी का समान भी बरामद कर लिया है.

कलश चोरी के मामले में तीनों गिरफ्तारियां रविवार रात को की गईं. चोरी के इस मामले में मास्टरमाइंड का नाम भूषण वर्मा है. पुलिस ने उसको उसके गांव असौड़ा से गिरफ्तार किया. भूषण के परिवार में उसकी पत्नी, दों बेटियां और एक बेटा है. वो परिवार के साथ पिछले एक साल से शहर की वैशाली कॉलोनी में रह रहा था. इससे पहले वह श्रीनगर मोहल्ले का निवासी था. भूषण ने अपना ठिकाना, पता इसलिए बदल लिया था क्योंकि उसके पड़ोसियों को ये बात पता चल गई थी कि वो चोरियां करता है. भांड़ा फूटने के डर से उसने ठिकाना बदला था. भूषण ने पुलिस को कलश बेचकर बेटी की शादी के लिए पैसे एकत्र करने की बात बताई. दो महीने बाद उसकी बड़ी बेटी की शादी होनी है. वैशाली कॉलोनी के लोगों ने बताया कि वो भूषण के बारे में अधिक नहीं जानते थे.लोगों को बस उसके सराफा का काम करने के बारे में पता था. हालांकि भूषण मुख्य रूप से ड्राइवर था. उसने पिछले साल दिल्ली के लाल मंदिर और अशोक विहार स्थित मंदिर से भी कलश की चोरी की थी. उसके खिलाफ पांच केस दर्ज हैं. चोरी के मामले में ही वो साल 2016 में जेल की हवा खा चुका है. आरोपी भूषण के बारे में ये सारी बातें हापुड़ पुलिस ने बताई.

केपी शर्मा ओली की चार निर्णायक गलतियां

> नेपाल में खूनी क्रांति की बड़ी वजहें

काठमांडू.

भारत के एक और पड़ोसी मुल्क में भी आग लग गई है. नेपाल में पिछले दिनों सोशल मीडिया पर बैन लगाए जाने का इस कदर विरोध हो गया कि वहां पर लोग सड़क पर उतर आए और सरकार की विदाई हो गई.

देश में सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन को देखते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया. पिछले हफ्ते तक शांत दिख रहे एक फैसले की वजह से नेपाली युवाओं ने विद्रोह कर दिया और वहां खूनी संघर्ष शुरू हो गया.

पीएम ओली को इस्तीफा देना पड़ गया. आखिर वो कौन सी गलतियां रहीं जिसकी वजह से ओली को पद छोड़ना पड़ गया.

जेन जी के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडु के कई हिस्सों में प्रधानमंत्री ओली के खिलाफ लगातार जमकर नारे लगाए. कई जगहों पर आगजनी भी की गई. नेपाल के विदेश मंत्री की उनके परिवार के साथ पिटाई कर दी गई. नाराजगी इस कदर रही कि कई नेताओं और मंत्रियों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की गई. भारी हिंसा के बीच गृह मंत्री रमेश लेखक ने कल ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. पीएम को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने वाली जेन ज़ी वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ.

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नेपाल की राजनीति के बड़े खिलाड़ी माने जाते रहे हैं. वह चौथी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने थे. नेपाल में बेरोजगारी चरम पर है और इधर देश में भ्रष्टाचार भी लगातार बढ़ता जा रहा था. ओली इसे रोक पाने में नाकाम साबित हुए. ओली मिली-जुली सरकार चला रहे थे. उनकी सरकार कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) नेपाली कांग्रेस पार्टी के समर्थन से चल रही थी.लेकिन वह मिली-जुली सरकार चलाने के बाद भी पार्टी और सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाए हुए थे. कहा जाता है कि सरकार से जुड़े बड़े फैसले के लिए भी वह अपने सहयोगियों से ज्यादा सलाह मशविरा नहीं किया करते थे. ओली को चीन परस्त नेता माना जाता है और वो भारत से ज्यादा चीन के करीबी माने जाते हैं.

उनकी कोशिश यही थी कि जिस तरह से चीन ने अपने यहां बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगा रखा है, वो भी अपने देश में यही करना चाहते थे. सोशल मीडिया पर अंकुश के जरिए लोगों की आवाज भी दबाने की कोशिश में लगे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर बैन लगाने का उनका तानाशाही और तुगलकीभर फैसला उनके खिलाफ चला गया.

बाढ़ पीड़ितों को 18 हजार, किसानों को 20 हजार की मांग

नई दिल्ली.

दिल्ली में बाढ़ से बिगड़े हालात पर दिल्ली विधानसभा की नेता विपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बाढ़ ने हजारों परिवारों की ज़िंदगी उजाड़ दी है. जिसके चलते बाढ़ से प्रभावित परिवार अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं. घरों में रखा सामान, फर्नीचर, बर्तन, बच्चों की किताबें, यहां तक कि लोगों के ज़रूरी कागज तक पानी में बह गए. आतिशी ने कहा कि दिल्ली के कई इलाक़ों में अब भी लोग उधार लेकर गुज़ारा कर रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफ़ से राहत का इंतज़ार लंबा होता जा रहा है. जिन परिवारों को आज तुरंत मदद चाहिए थी, उन्हें सरकार के दफ़्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं. नेता विपक्ष ने कहा कि सरकार की लापरवाही ने बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. हालात को देखते हुए आतिशी ने हर प्रभावित परिवार के सभी बड़े सदस्यों को कम से कम 18,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, उन्हें 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवज़ा मिले. आतिशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लोग अपने घर बचाने के लिए पानी में डूबते-उतराते रहे, उस समय सरकार सिर्फ़ बयानबाज़ी करती रही. उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि आज की सरकार जनता को उनके हाल पर छोड़कर चुप बैठी है. उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हालात अलग थे. चाहे प्रदूषण का संकट आया हो, बारिश और पानी भराव की समस्या रही हो या फिर महामारी जैसी आपदा- आप सरकार ने हमेशा तुरंत राहत पैकेज और मदद पहुंचाई.

सीएम रेवंत रेड्डी के घर की टूटी चारदीवारी

तेलंगाना.

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवत रेड्डी का कहना है कि विकास कार्यों में किसी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए.

उन्होंने खुद इस बात पर अमल करके सबके लिए एक मिसाल कायम की है. दरअसल, नागरकुरनूल जिले के वांगुर मंडल स्थित मुख्यमंत्री के घर कोंडारेड्डीपल्ली में सड़क चौड़ीकरण का काम हो रहा है. इस दौरान जब सीएम के घर की चारदीवारी (fence) बीच में आई, तो उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे उसे तुरंत गिराने का आदेश दे दिया.

सड़क चौड़ीकरण के दौरान कई लोगों के घर टूट गए हैं. जानकारी के अनुसार गांव के कुल 43 घर इस सड़क निर्माण को लेकर आंशिक रूप से तोड़ने पड़े हैं.

सीएम द्वारा अपने घर की चारदीवारी को तोड़ने का आदेश देने पर गांव वाले रेवंत रेड्डी की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.

कोंडारेड्डीपल्ली में सड़क बनाने में बाधा बन रही मुख्यमंत्री के घर की चारदीवारी को सीएम रेवंत रेड्डी के आदेश पर अधिकारियों ने दो दिन पहले गिरा दिया था.

इस पर बोलते हुए, अतिरिक्त कलेक्टर देवसहायम ने बताया कि मुख्यमंत्री ने दो महीने पहले सड़क चौड़ीकरण के दौरान अपना घर खोने वालों को मुआवजा देने का आदेश दिया था, जिसके बाद ही सड़क निर्माण में तेजी लाई गई है.

सड़क चौड़ीकरण को लेकर दो दिन पहले अधिकारियों ने सीएम रेवंत रेड्डी के घर की चारदीवारी गिरा दी. अब उस चारदीवारी के पुनर्निर्माण का काम चल रहा है.

इस मामले को लेकर गांव वाले सीएम रेवंत रेड्डी के विचारों की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. गांव वाले सीएम की तारीफ करते हुए कहते हैं कि भले ही वे हमारे राज्य के मुख्यमंत्री हों, लेकिन उन्होंने बिना किसी भेदभाव के अधिकारियों को अपने घर की दीवार गिराने का आदेश दे दिया. उन्होंने कहा कि सीएम ने अपनी भलाई की नहीं बल्कि गांव के लोगों की भलाई सोची है.

गांव वालों ने कहा कि इस तरह का आदेश देना बहुत अच्छी बात है.

कोर्ट पहुंचे करिश्मा कपूर के बच्चे

> 30 हजार करोड़ से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली.

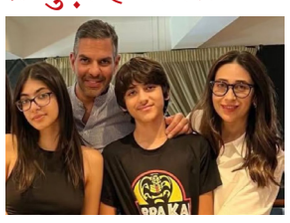

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस करिश्मा कपूर तलाक के बाद से अपने दोनों बच्चों की परवरिश अकेले कर रही हैं. हालांकि अपने बच्चों बेटे कियान राज कपूर और बेटी समायरा कपूर का एकमात्र सहारा सिर्फ करिश्मा ही रह गईं हैं, क्योंकि करिश्मा के एक्स हस्बैंड और उनके बच्चों के पिता संजय कपूर का कुछ दिनों पहले निधन हो गया था. दोनों पिता के निधन से बुरी तरह टूट गए थे. हालांकि अब उन्होंने संजय कपूर की तीसरी पत्नी और सौतेली मां प्रिया कपूर पर पिता की संपत्ति में हेरफेर करने के आरोप लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी मांगी है.

पिता के निधन के बाद कियान और समायरा ने पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी की मांग की है और इसके लिए उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा है. उनका आरोप है कि प्रिया कपूर ने उनके पिता की वसीयत में धोखाधड़ी की है और पूरी संपत्ति पर अपना कंट्रोल करने की कोशिश की है.

करिश्मा कपूर और प्रिया कपूर के एक्स हस्बैंड संजय कपूर बेहद रईस बिजनेसमैन थे. वो अपने पीछे 30 हजार करोड़ रुपये का साम्राज्य छोड़कर गए हैं. हालांकि अब इसके बंटवारे को लेकर करिश्मा के बच्चे और प्रिया कपूर के बीच खींचतान चल रही है. कियान और समायरा का आरोप है कि प्रिया उन्हें अपने पिता की संपत्ति से गलत तरीके से बेदखल करना चाहती हैं. समायरा और कियान ने अपनी मां करिश्मा कपूर के माध्यम से दायर किए गए मुकदमे में दावा किया है कि प्रिया ने संजय की वसीयत में जालसाजी की है. उनके मुताबिक वसीयत कानूनी और वैध दस्तावेज नहीं है, बल्कि ये जाली वसीयत है. उन्होंने ये भी कहा कि इसके कारण उन्हें विल की ओरिजिनल कॉपी भी नहीं दिखाई गई है. 21 मार्च 2025 की विल को दोनों ने फर्जी करार दिया है. साथ ही उनकी मांग है कि जब तक ये विवाद सुलझ न जाए तब तक संपत्तियों को फ्रीज कर दिया जाए.

मायावती के एक्टिव होते ही अखिलेश यादव के पीडीए पर खतरा?

नई दिल्ली.

बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पूरी तरह एक्टिव हो गई हैं.

हाल ही में रविवार (7 सितंबर) को राजधानी लखनऊ में हुई बसपा की बैठक में मायावती ने संगठन के पुनर्गठन और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की. इसके साथ ही बसपा के प्रदेश भर से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बूथ से लेकर जिला स्तर तक की कमेटियों की प्रगति रिपोर्ट मायावती के सामने रखी.

बसपा सुप्रीमो की इस बैठक के बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि मायावती अपने पुरानी रणनीति पर उतर आई हैं और उनके इस पुराने अंदाज से समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव के पीडीए पर भी खतरा दिखाई दे रहा है.

क्योंकि अखिलेश के पीडीए में जो दलित और अल्पसंख्यक हैं वह मायावती के भी कोर वोटर रहे हैं. हालांकि पिछले चुनावों में मायावती का वोट बैंक काफी गिरा है.

लखनऊ में हुई बसपा की बैठक में ऐलान हुआ है कि 9 अक्टूबर 2025 को कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक बड़ी रैली होगी, जिसमें पुराने नेताओं की वापसी और नई रणनीति की घोषणा हो सकती है.

बसपा प्रमुख के आदेश के बाद सभी कार्यकर्ता मिशन 2027 के तहत गांव-गांव जाकर दलित समुदायों, खासकर जाटव वोट बैंक को मजबूत करने में लगे हुए हैं.

साल 2024 के लोकसभा चुनाव और 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मायावती की बसपा के प्रदर्शन पर नजर डालें तो वह काफी खराब रहा है.

जहां 2024 लोकसभा चुनाव में बसपा यूपी में एक भी सीट नहीं जीत पाई, वहीं 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा का प्रदर्शन उसके इतिहास में सबसे खराब रहा. 2022 के विधानसभा चुनाव में बसपा ने 403 सीटों पर उम्मीदवार उतारे लेकिन केवल 1 सीट रसड़ा पर ही पार्टी की जीत हुई.

'कश्मीर में धारा 370 कांग्रेस ने जबरन लागू किया'

> सीएम योगी ने किया दो प्रधान-दो विधान का जिक्र

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार (9 सितंबर) को बस्ती में सरस्वती विद्या मंदिर के भूमिपूजन और शिलान्यास के लिए आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे.

'इस दौरान सीएम योगी ने एक ऐसा बयान दिया जिसकी चर्चा चारों तरफ है. सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सामने 25 वर्ष की एक रूपरेखा 2022 में तय की थी. उन्होंने कहा था भारत को विकसित भारत बनाना है, लेकिन विकसित भारत कब बनेगा? उन्होंने कहा था विकसित भारत तब बनेगा जब भारत इन पंचप्रण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएगा. कौन से पंचप्रण उन्होंने कहा कि हमें अपनी विरासत का सम्मान करना होगा. देखिए विरासत का सम्मान क्या? हमें अपने पूर्वजों और अपनी परंपराओं पर गौरव की अनुभूति करनी होगी. उन्हें मजबूत करना होगा. उन्हें अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा और उसी की कड़ी थी जब आपने देखा होगा.

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वजों ने एक संकल्प लिया था, 'एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे' का उद्घोष 1953 में डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने की थी और कश्मीर में शेष भारत का कानून लागू हो.

इसके लिए उन्होंने जब शंखनाद किया था इसके लिए उन्हें अपना बलिदान देना पड़ा था. 1953 से लेकर के 2019 तक यह व्यवस्था कश्मीर के लिए चलती गई. कश्मीर में धारा 370, 1952 में कांग्रेस ने बाबासाहब भीमराव अंबेडकर के न चाहने के बावजूद जबरन लागू किया. लेकिन, डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी के इस संकल्प को साकार किया. एक देश में दो प्रधान, दो निशान, दो विधान नहीं चलेंगे. यह साकार किया प्रधानमंत्री मोदी ने जब कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करके कश्मीर से आतंकवाद और किसी भी प्रकार के भारतविरोधी गतिविधियों के सभी प्रकार के कार्य और सभी प्रकार की उनकी गतिविधियों और साजिशों को एक झटके में समाप्त करके कश्मीर को भारत के कानून के साथ जोड़ने का काम किया.

एमपी सरकार का गर्भवती महिलाओं के लिए नया कदम

> एआई आधारित सुमन सखी चैटबॉट होगा लॉन्च

भोपाल.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश में एक ऐसा अभियान है जो समाज के सभी तबकों के हित से जुड़ा है. इसका खास मकसद गर्भावस्था के दौरान महिलाओं की देखभाल, बड़े जोखिम की वजहों की पहचान करना और सरकारी योजनाओं की जानकारियों को डिजिटल तकनीक से लाभार्थियों तक पहुंचाना है.

आपको बता दें कि इस अभियान को और गति देते हुए मध्य प्रदेश सरकार अब इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की मदद लेने जा रही है.

मध्य प्रदेश सरकार इस संबंध में एआई जेनरेटेड एक चैटबॉट सेवा शुरू करने जा रही है. इस सेवा का नाम सुमन सखी चैटबॉट है. इस चैटबॉट सेवा का मकसद महिलाओं तक स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारियों को आसानी से पहुंचाना है. यह पहल गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य की देख रेख करना है. सरकार को आशा है कि एआई जेनरेटेड चैटबॉट से जरूरतमंदों पर सेवा संबंधी जानकारी तेजी से पहुंचेगी.

राज्य सरकार का कहना है कि इस चैटबॉट की भाषा हिंदी होगी और यह चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा. लाभार्थी गांव के हों या शहर के- वे बिना किसी बाधा के अपनी भाषा में इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे. हालांकि यह कई चरणों में शुरू की जाएगी. इसकी शुरुआत उन क्षेत्रों से होगी जहां मातृ स्वास्थ्य सेवा के लिहाज से जनता की सबसे ज़्यादा मांग है. जानकारी के मुताबिक इस चैटबॉट का भविष्य में विस्तार भी किया जायेगा. तब इसमें अन्य प्रमुख योजनाओं की भी जानकारी शामिल की जायेगी. आम लोग व्हाट्सएप के माध्यम से भी इसका उपयोग कर सकेंगे. ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस डिजिटल प्रयोग से न केवल सर्विस में सुधार होगा, बल्कि सेवा में पारदर्शिता आएगी और शासन के काम काज में जरूरतमंद लाभार्थियों का विश्वास भी बढ़ेगा.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की पहल

यह चैटबॉट मध्य प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा विकसित किया गया है. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सहयोग से इसे विकसित किया गया है. लाभार्थियों के लिए एक डिजिटल सहयोगी के रूप में काम करेगा. आम लोग इसके जरिए स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों, सामाजिक कल्याण योजनाओं और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के बारे में पूछताछ कर सकेंगे.